Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwaparivar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 274 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 04 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

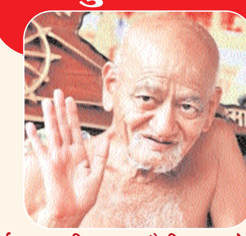

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

"बस्तर की यह नई पहचान आने वाली पीढ़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह क्षेत्र अब शांति, प्रगति और गौरव की राह पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हम कृतज्ञ हैं......

माँ दंतेश्वरी और जनजातीय नायक वीर गुण्डाधुर की यह धरती छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 को माओवादी आतंक से मुक्त हुई है। हिंसक माओवादी विचारधारा ने न जाने कितनी माँओं की कोख उजाड़ दी, बहनों का सुहाग और मासूमों के सिर से पिता का साया छीन लिया। देश के लिए लड़ते हुए हजारों जवान शहीद हुए। दशकों से सशस्त्र माओवाद देश के विकास को खोखला करता रहा, वर्ष 2014 में आपके आशीर्वाद से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार आई और दृढ़ संकल्प तथा सुनियोजित रणनीति के माध्यम से माओवादी हिंसा पर कठोर प्रहार किया गया। अनेक राज्य सशस्त्र माओवाद से मुक्त हुए लेकिन हमारी छत्तीसगढ़ महतारी और हमारे पड़ोसी राज्यों में यह नासूर बचा हुआ था। आपने पुनः आशीर्वाद दिया और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाई। पिछले ढाई सालों में आपकी सरकार ने सामूहिक संकल्प के बल पर इस सशस्त्र माओवादी नासूर को नष्ट कर दिया।

हम कृतज्ञ हैं उन शहीद जवानों के प्रति, जिन्होंने अपने प्राणों की आहूति देकर देश को माओवाद से मुक्ति दिलाई। हम कृतज्ञ है हमारे सुरक्षा बल के जवानों के प्रति, जिन्होंने साहस और संकल्प के साथ अपनी जान पर खेलकर माओवाद की जड़ पर कड़ा प्रहार करके उसका समूल नाश किया।

हम कृतज्ञ हैं बस्तर की जनता का, जिन्होंने माओवादी हिंसा को न केवल अस्वीकार किया अपितु उसके विरोध में खड़े हुए। मुझे आपका जज्बा याद आता है जब सशस्त्र माओवादियों द्वारा वोट देने पर ऊंगली काट देने की धमकी दी जाती थी, तब भी आप निर्भय होकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करते थे। आपके मतदान से एक ऐसा नेतृत्व आया जिसने एक दशक के भीतर आंतरिक सुरक्षा के इस सबसे बड़े संकट को समाप्त कर दिया।

हम कृतज्ञ हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साहसपूर्ण नेतृत्व के प्रति। मुझे याद है वर्ष 2015 में दंतेवाड़ा में उन्होंने अपनी सभा में हथियार उठाने वाले युवाओं से कहा था 'एक प्रयोग कीजिए, पांच दिन हथियार रख दीजिए, उस परिवार के बच्चे के साथ दिन गुजारिए जिसने आपकी वजह से अपने परिजनों को खोया है फिर आप कभी हिंसा के रास्ते में नहीं जाएंगे।'

प्रधानमंत्री जी ने हमेशा हमारा हौसला बढ़ाया, मार्गदर्शन किया है। उनके दृढ़ संकल्प की बदौलत देश माओवादी हिंसा से मुक्त हुआ है। हिमालय जैसी चुनौतियों से निपटने के उनके साहस ने हमें उत्साह से भर दिया और हमने यह असंभव जैसा लक्ष्य प्राप्त किया।

हम कृतज्ञ हैं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के , जो माओवादी नासूर को नष्ट करने के लिए बनायी गई रणनीति के शिल्पी हैं । रायपुर में पत्रकारों की भरी सभा में आपने देश से वायदा किया था कि 31 मार्च 2026 तक माओवाद को समाप्त करेंगे और इसे पूरा किया। आपने माओवादी आतंक को नष्ट करने के लक्ष्य पर नजर टिकाए रखी। हमारा नेतृत्व किया, संसाधन और मार्गदर्शन दिया। हमारे बहादुर जवानों के बीच पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाया। आपने गोली का जवाब गोली से और बोली का जवाब बोली से देने का संदेश दिया। माओवादी हिंसा को छोड़कर जो शांति की राह पर लौटे, संविधान को अपनाया, उनका हमने स्वागत किया।

हम कृतज्ञ हैं प्रदेश की जनता के प्रति जो इस सुंदर धरती को सशस्त्र माओवाद से मुक्त कराने के रास्ते में सहभागी बनी, आपने हम पर विश्वास किया। विश्वास कीमती होता है, हमने इसकी रक्षा की है। बस्तर में बच्चे अब निर्भय होकर स्कूल जाएंगे, माताएं-बहनें आजादी की सांस लेंगी और हर तरफ विकास का उजाला फैलेगा।

अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है।

एक सुखद उज्ज्वल भविष्य की राह पर हम सब सहभागी बन अब आगे बढ़ेंगे।

जय भारत, जय छत्तीसगढ़

आपका **विष्णु देव साय** मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

Samwad-47391/114

अनन्य रामभक्त हनुमान जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक : मुख्यमंत्री साय

■ श्री राम नाम से गुंजायमान हुआ श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के स्टेशन चौक स्थित नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में आयोजित श्री हनुमान उत्सव एवं श्री राम कथा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त श्री हनुमान का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। बल, बुद्धि और विद्या के दाता हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि हमारे जीवन में निष्ठा, सेवा और समर्पण कैसा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने पवित्र श्री नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार का भूमिपूजन किया। प्रचलित मान्यतानुसार इस स्थल पर महंत श्री दयाल दास जी के चिमटे से कुंड में मां नर्मदा का प्राकट्य हुआ था। श्री राम कथा के दौरान श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर राम नाम से गुंजायमान हो उठा।

मुख्यमंत्री ने श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में विधि-विधान से श्री हनुमान का दर्शन और आरती पूजन किया। उन्होंने श्री हनुमान जी से छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 01 से 05 अप्रैल तक नर्मदा कुंड मंदिर में स्वामी श्री राजीव लोचन दास जी द्वारा श्री राम कथा का भी आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय को कहा छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्री राम ने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया। रामायण काल में वर्णित दंडकारण्य अबूझमाड़ क्षेत्र का इलाका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अभी तक लगभग 42 हजार भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं। 5 हजार से अधिक बुजुर्ग विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रा के लिए 19 जगहों को चिन्हांकित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभी हमने धर्मांतरण रोकने छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया है। इस कानून के अंतर्गत देश के सभी प्रदेशों से कठोर नियम बनाए गए हैं। इन कड़े प्रावधानों से निश्चित ही धर्मांतरण पर अंकुश लगेगा। गौ माता के भी संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार द्वारा सुरभि गौधाम योजना लागू की गई है। इसके तहत 29 गौधाम का शुभारंभ किया गया है। सुरभि गौधाम में गौमाता के लिए चारे और अन्य व्यवस्था के साथ ही गौपालकों को गोबर के विभिन्न उत्पाद के निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में 10 सुरभि गौधाम के साथ प्रदेश में 330 गौधाम का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में रुद्र सेना और रुद्र शक्ति के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा,विधायक श्री किरण सिंहदेव और श्री पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, नर्मदा कुंड श्री राम जानकी मंदिर के महंत श्री सुरेंद्र दास जी, श्री राम गर्ग, श्रीमती विभा अवस्थी सहित गणमान्यजन और भक्तगण उपस्थित थे।

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अखिल भारतीय वालीबाल स्पर्धा का किया शुभारम्भ

विधायक मूणत ने महादेवघाट में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

खेलो इंडिया हेतु खिलाडियों को प्रोत्साहित करने 20 लाख का स्वेच्छानुदान देने की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री श्री राजेश मूणत ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के क्षेत्र महादेवघाट में विधायक निधि से 5 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण नगर निगम एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, वार्ड 69 के पार्षद श्री महेन्द्र औसर, नगर निगम जोन 8 कार्यपालन अभियंता श्री अतुल चोपड़ा सहित जोन 8 के अन्य सम्बंधित अधिकारियों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों सहित करते हुए नगरवासियों को शानदार सौगात दी.

रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने मंच से खेलो इंडिया अभियान हेतु खिलाडियों को प्रोत्साहित करने खेल सुविधायें देने 20 लाख रूपये का स्वेच्छानुदान विधायक निधि से देने की घोषणा की.

रायपुर पश्चिम विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री श्री राजेश मूणत ने महादेवघाट में 5वीं अखिल भारतीय वालीबाल स्पर्धा का नगर निगम एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, वार्ड 69 के पार्षद श्री महेन्द्र औसर, जोन 8 कार्यपालन अभियंता श्री अतुल चोपड़ा सहित आयोजक हटकेश्वर वालीबाल संघ और मास्टर एसोसिएशन के सैयद अनवर अली और मैक्सीन सहित अन्य पदाधिकारियों, खिलाडियों, खेलप्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति में किया. रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने मैदान में जाकर दोनों टीमों के खिलाडियों का परिचय प्राप्त किया और उन्हें अच्छा खेल प्रदर्शन करने प्रोत्साहित करते हुए आयोजन समिति पदाधिकारियों को 5वीं अखिल भारतीय वालीबाल स्पर्धा के सफल होने हेतु हार्दिक मंगलकामनायें दीं.

मुख्य बाजारों में अतिक्रमण पर निगम की सख्ती

दुकानदारों को अंतिम चेतावनी, सड़क व नाली पर सामान रखने पर होगी जब्ती कार्रवाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम।नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदिरा मार्केट, पटवा लाइन सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया।

अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा बाजार क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनेक दुकानदारों द्वारा अपने दुकान का सामान दुकान के बाहर नाली के ऊपर एवं सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से रखे जाने की स्थिति पाई गई, जिससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी।निगम प्रशासन द्वारा सभी संबंधित दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे अपना समस्त सामान अपने-अपने दुकानों के अंदर ही रखें तथा किसी भी प्रकार से सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। साथ ही दुकान के बाहर अनधिकृत रूप से साइन बोर्ड लगाने पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई।

अतिक्रमण अधिकारी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि आगामी निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकान का सामान सड़क या नाली पर रखा हुआ पाया जाता है, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध जब्ती की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम दुर्ग द्वारा यह अभियान शहर में सुगम यातायात, स्वच्छता व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

भाजपा सरकार में महंगाई बेलगाम, रोजगार खत्म हो गया : कांग्रेस

रायपुर। बेलगाम हो चुकी महंगाई को भाजपा सरकार निर्मित त्रासदी करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि एक तरफ बेरोजगारी दूसरी ओर बेतहाशा बढ़ती महंगाई की मार से जनता दोनों ओर से पिस रही है। आर्थिक मोर्चे पर यह सरकार पूरी तरह से असफल हो चुकी है। इस सरकार ने देश के 81 करोड़ जनता को यह सरकार गरीब बनकर केवल 5 किलो राशन की लाइन में खड़ा कर दिया है। भुखमरी इंडेक्स में लगातार पिछड़ते जा रहे हैं, असमानता और गरीबी तेजी से बढ़ रही है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि आम आदमी की घरेलू बचत ऐतिहासिक तौर पर न्यूनतम स्तर पर आ गई है। खाद्य तेल को 70 रुपए प्रति लीटर तक पहुंचने में 70 साल लग गए थे, लेकिन मोदी राज के चंद दिनों में ही 170 पार हो गया। घरेलू गैस सिलेंडर जो भाजपाइयों को 400 रुपए में महंगा लगाता था, उसे 980 तक पहुंचा दिए। भाजपा सरकारों को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस के दाम में 195 रू. की बढ़ोतरी कर दिया। इसके पहले तीन महीने में कमर्शियल गैस के दाम में 525 रू. की बढ़ोतरी हुई थी, पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने घरेलू गैस के दाम

यातायात पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 711 नशेड़ी वाहन चालकों पर शिकंजा

बिलासपुर। सडक़ दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए बिलासपुर यातायात पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए नशे की हालत में वाहन चलाने वाले 711 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। सभी मामलों में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय भेजा गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) रामगोपाल करियारे के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट, तेज एवं लापरवाह ड्राइविंग, ट्रिपल सवारी, गलत नंबर प्लेट, गलत दिशा में वाहन चलाने और मोबाइल उपयोग करते हुए ड्राइविंग करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

यातायात पुलिस की समीक्षा में सामने आया है कि शाम 6 बजे से रात 12 बजे के बीच सडक़ दुर्घटनाएं सबसे अधिक होती हैं। इसे देखते हुए इस समयावधि में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि आई टी एम एस के माध्यम से भी यातायात नियम तोडऩे वालों पर ऑनलाइन चालानी कार्रवाई की जा रही है और समन शुल्क वसूला जा रहा है। होली पर्व को देखते हुए शहर में प्रमुख स्थानों पर स्टॉपर और चेकिंग पॉइंट लगाकर विशेष निगरानी रखी जा रही है। होली का पर्व शांति, सौहार्द और संयम के साथ मनाएं। वाहन चलाते समय यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करें, ताकि स्वयं और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

दुर्ग सांसद पर आपत्तिजनक पोस्ट, युवक गिरफ्तार

■ भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

दुर्ग रायपुर (विश्व परिवार)। दुर्ग जिले में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सांसद विजय बघेल और पार्टी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और थाने में युवक के खिलाफशिकायत की। इस मामले में एक युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के दौरान आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।यह मामला इंस्टाग्राम पर छत्तीसगढिय़ा गौरव 05 नामक आईडी से की गई टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा मंडल पाटन, अमलेश्वर और जामगांव आर के अध्यक्षों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता

थानों में पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग की। अमलेश्वर थाना पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर ने आरोप लगाया कि फुंडा निवासी गौरव नायक, पिता बालकृष्ण वर्मा ने सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। शिकायत में इसे न केवल सांसद का अपमान बताया गया, बल्कि एक राष्ट्रीय पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी कहा गया। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इनसे पार्टी की छवि और कार्यकर्ताओं की भावनाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अमलेश्वर के साथ-साथ पाटन और जामगांव आर थानों में भी शिकायतें दर्ज कराई हैं। पाटन एसडीओपी अनूप लकड़ा ने बताया कि शिकायत के आधार पर पाटन थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

खेलो इंडिया में ओवरऑल चैंपियन में कर्नाटक ने बनाई जगह

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन झारखंड की कोमालिका बारी ने अपने मिक्स्ड टीम खिताब के बाद महिला रिकर्व तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता, जबकि ओडिशा के अर्जुन खारा ने पुरुष रिकर्व वर्ग में स्वर्ण अपने नाम किया। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद अंतिम दिन कर्नाटक को पदक तालिका के शीर्ष स्थान से हटाया नहीं जा सका और वह उद्घाटन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में शीर्ष पर बना रहा। मेजबान छत्तीसगढ़ ने भी जनजातीय समुदाय की खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 10 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर नौवां स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ का आखिरी पदक पुरुष फुटबॉल में रजत के रूप में आया, जब वे फाइनल में पश्चिम बंगाल से 0-1 से हार गए। इस उद्घाटन संस्करण में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 3,800

खिलाड़ियों ने नौ खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा की। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जबकि मल्लखंभ और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन) खेलों के रूप में शामिल थे। इन 106 स्वर्ण पदकों में से कर्नाटक ने 23 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। ओडिशा 21 स्वर्ण, 15 रजत और 21 कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और 57 पदकों के साथ 50 से अधिक पदक जीतने वाला एकमात्र दल बना। झारखंड 16 स्वर्ण, 8 रजत और 11 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।ओवरऑल चैंपियन कर्नाटक ने पहले ही दिन से पदक तालिका में बढ़त बना ली थी, खासकर तैराकी में दबदबा बनाते हुए उन्होंने 15 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक जीते। इसके अलावा एथलेटिक्स में 5 और कुश्ती में 3 स्वर्ण पदक जोडक़र उन्होंने सुनिश्चित किया कि ओडिशा और झारखंड उनसे आगे न निकल सकें।

पंडरिया सेवा सदन में मिलेगी मरीजों के परिजनों को नि:शुल्क ठहरने व भोजन की सुविधा

कवर्धा संवाददाता रत्नेश गुप्ता। किसी भी जनप्रतिनिधि की असली पहचान केवल विकास कार्यों से नहीं, बल्कि उस संवेदनशीलता से होती है जिसके साथ वह अपने क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनता है। पंडरिया विधानसभा में इसी भावना को साकार करते हुए विधायक भावना बोहरा द्वारा ÷पंडरिया सेवा सदन÷ की शुरुआत एक ऐसे जनहितकारी प्रयास के रूप में सामने आई है, जो न केवल सुविधा प्रदान करता है, बल्कि मानवीय संवेदना का भी प्रतीक है। पंडरिया विधानसभा से बड़ी संख्या में मरीज बेहतर उपचार के लिए राजधानी रायपुर का रुख करते हैं। लेकिन इस दौरान उनके साथ आने वाले परिजनों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों के आसपास महंगे ठहरने के विकल्प, भोजन की व्यवस्था और दैनिक जरूरतों को पूरा करना, ये सभी समस्याएं पहले से ही परेशान परिवारों के लिए एक अतिरिक्त बोझ बन जाती थीं। ऐसे समय में आर्थिक दबाव के साथ-साथ मानसिक तनाव भी बढ़ जाता है। इन्हीं चुनौतियों को समझते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ÷भावना दीदी की गारंटी÷ में किए अपने संकल्प को दोहराते हुए राजधानी रायपुर के सेक्टर-2 में पंडरिया सेवा सदन जनता को समर्पित किया। यह पहल इस सोच का परिणाम है कि पंडरिया विधानसभा से रायपुर में इलाज के लिए आए किसी भी परिवार को अपने रहने और भोजन की चिंता न करनी पड़े, बल्कि वे पूरी तरह से अपने मरीज के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इस सेवा का लाभ लेने के लिए मोबाइल नम्बर पर 7747892000 एवं 7747992000 पर संपर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण और पंडरिया विधानसभा कमरे परिवारजनों की सेवा के प्रति अपने संकल्प की एक और कड़ी को पूरा करने का विशेष दिन है। भावना दीदी की गारंटी में हमने जनता की सेवा हेतु यह संकल्प किया था और आज उसे पूर्ण होता देख मेरे लिए गर्व और गौरव का विषय है इसके लिए मैं पंडरिया विधानसभा के मेरे परिवारजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ, यह संकल्प आप सभी के विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन से सिद्धि तक पहुंचा है। उन्होंने बताया कि राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर सेक्टर-2 में स्थित यह सेवा सदन पूर्णतः नि:शुल्क सुविधा प्रदान करता है। यहां ठहरने के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित कमरे, शुद्ध एवं सात्विक भोजन, स्नान और शौचालय की समुचित व्यवस्था, पर्याप्त जल आपूर्ति, प्रकाश और रात्रि विश्राम के लिए बिस्तर जैसी सभी आवश्यक व रोजमर्रा से जुड़ीं सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह स्थान केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि उन परिवारों के लिए एक भरोसेमंद सहारा है, जो अपने प्रियजनों के उपचार के लिए घर से दूर आते हैं। ÷पंडरिया सेवा सदन÷ की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीजों के परिजनों को मानसिक शांति और भावनात्मक संबल भी प्रदान करेगा। जब किसी कठिन परिस्थिति में व्यक्ति को सहारा मिलता है, तो वह अपने संघर्ष को अधिक मजबूती से लड़ पाता है। यही इस सेवा सदन का मूल उद्देश्य जनता के साथ हर सुख-दुःख में साथ खड़े रहना, उनके कष्ट को कम करना और उन्हें यह एहसास दिलाना कि वे अकेले नहीं हैं।भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा वासियों की सुविधा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के लिए किया गया हर संकल्प हमारे लिए सर्वोपरि है। ÷भावना दीदी की गारंटी÷ केवल एक वादा नहीं, बल्कि जनसेवा का अटूट संकल्प है।

आरंग में बह रही है राम नाम रुपी अविरल धारा

आरंग।इन दिनों धार्मिक नगरी आरंग राम नाममय हो गया है। चारो ओर राम कथा की अविरल धारा बह रही है।मोरध्वज मानस शक्ति केंद्र के अंतर्गत आरंग के आजाद चौंक,ब्लाक कालोनी, केंवसी लोधी पारा, बागेश्वर पारा और शीतला पारा में रामचरितमानस गान का तीन दिवसीय सम्मेलन किया गया है। जहां छत्तीसगढ़ के अनेक मानस मंडलियां पहुंचकर संगीतमय रामकथा का वाचन कर रहे हैं। जिसमें बड़ी संख्या में राम भक्त, कथा स्थल में पहुंचकर रामकथा का रसपान कर रहे हैं।मानों ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे नगर में राम नाम की अविरल धारा बह रही है।वहीं गुरूवार को अंतिम दिवस आजाद चौंक में भोग भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर भंडारा में प्रसादी ग्रहण किया।

Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 274 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 04 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत तारागिरी
दुश्मन पर हमला और दोस्तों की करेगा मदद

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना में शुक्रवार को एक नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत, 'तारागिरी' शामिल किया गया है। इस युद्धपोत को विशाखापत्तनम में 3 अप्रैल की दोपहर नौसेना में कमीशन किया गया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। 'तारागिरी' नामक यह युद्धपोत सुपरसोनिक मिसाइलों से लैस है।

ये मिसाइल सतह से सतह पर मार कर सकती हैं। इसमें मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली भी है। अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली व घातक हथियारों से लैस यह युद्धपोत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'तारागिरी' को एक स्टेट ऑफ द आर्ट वॉरशिप करार दिया। उन्होंने कहा कि तारागिरी की कमीशनिंग, भारत की बढ़ती हुई सामुद्रिक शक्ति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस तारागिरी की कमीशनिंग , भारतीय नौसेना की ताकत में, मूल्यों में, तथा प्रतिबद्धता में और वृद्धि करेगी। गौरतलब है कि मानवीय मूल्यों के प्रति सजग भारतीय नौसेना आपदा के दौरान देश ही नहीं विदेशों में भी आपदा राहत के कार्य में शामिल होती है। नौसेना का यह नया युद्धपोत तारागिरी भी मानवीय संकट व आपदा के दौरान राहत पहुँचाने में बड़ी मदद कर सकता है।

इसकी अनुकूल मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले युद्ध के साथ साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत के लिए एक आदर्श समुद्री जहाज बनाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'तारागिरी' हमारे राष्ट्रीय गौरव और सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जब यह जहाज समुद्र की लहरों को चीरते हुए आगे बढ़ेगा, तो यह पूरी दुनिया को यह संदेश देगा कि भारत की ताकत भारत के लोगों में है, उनकी मेहनत में है, उनकी क्षमता में है और उनके अटूट संकल्प में है।

इस युद्धपोत का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया गया है। यह युद्धपोत अपने पूर्ववर्ती युद्धपोतों के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत विकास का प्रतिनिधित्व करता है। इसके निर्माण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इस अवसर पर रक्षामंत्री ने मझगांव डॉक शिपयार्ड लिमिटेड और भारतीय नौसेना समेत सभी देशवासियों को बधाई दी।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन जनजातीय प्रतिभाओं के लिए ऐतिहासिक और यादगार मंचः सीएम विष्णुदेव साय

समापन समारोह में बॉक्सर मेरीकॉम और फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया हुए शामिल

रायपुर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल आडिटोरियम रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर जो जोश और ऊर्जा देखने को मिली, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की आदिवासी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने और उनकी खेल क्षमता को सामने लाने का अनूठा अवसर साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विजन और मार्गदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। साथ ही केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज देश के खेल मानचित्र में प्रमुख स्थान पर स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि अब यह गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज और खेल का रिश्ता सदियों पुराना है। तीरंदाजी, दौड़ और कुश्ती जैसे खेल जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उन्होंने स्वयं के जनजातीय पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में अपार ऊर्जा और प्रतिभा निहित है, जिसे सही मंच मिलने पर देश-विदेश में पहचान मिल सकती है।

जन विश्वास विधेयक पारित होने पर पीएम मोदी ने जताई खुशी, बोले- मामलों को जल्दी निपटारे में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया है, जो देश में व्यापार सुगमता और जीवन सुगमता को और बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी ने इस पर खुशी जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस विधेयक के पास होने पर खुशी जताते हुए लिखा कि 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बड़ा बढ़ावा। यह बहुत खुशी की बात है कि संसद ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक 2026 को पारित कर दिया है। यह विधेयक भरोसे पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करता है, जो नागरिकों को सशक्त बनाती है।

उन्होंने आगे लिखा कि यह पुराने और अप्रासंगिक नियमों को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। साथ ही, यह मामलों के जल्दी निपटारे में मदद करेगा, मुकदमों का बोझ कम करेगा और कई मामलों को अपराध की श्रेणी से बाहर करेगा।

इस विधेयक की खास बात यह भी है कि इसे तैयार करते समय सभी पक्षों से सलाह-मशविरा किया गया। पीएम मोदी ने आगे लिखा कि मैं उन सभी लोगों को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस विधेयक के निर्माण में अपने सुझाव दिए और संसद में इसका समर्थन किया। यह विधेयक सरकार की विश्वास-आधारित शासन ढांचे को बढ़ावा देने और समानुपातिक नियमन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह व्यक्तियों और व्यवसायों पर अनुपालन बोझ को कम करने के लिए छोटे अपराधों का अपराधमुक्तिकरण तथा मौजूदा कानूनी प्रावधानों को तर्कसंगत करने का प्रयास करता है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया है।

ट्रंप की टीम में फूट! यूएस इंटेलिजेंस ने दावा किया है कि ईरान के आधे मिसाइल लॉन्चर अब भी एक्टिव

तेहरान। मध्य-पूर्व में तनाव का दौर लगातार जारी है, और हालिया खुफिया रिपोर्टों से यह स्पष्ट हो गया है कि ईरान की सैन्य ताकत अभी भी काफी मजबूत बनी हुई है. अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने दावा किया है कि ईरान ने अपने लगभग 50 प्रतिशत मिसाइल लॉन्चर सुरक्षित रखे हैं. ईरान के पास बड़ी संख्या में वन-वे अटैक ड्रोन और तटीय रक्षा क्रूज मिसाइलें भी जस की तस बनी हुई हैं. ट्रंप प्रशासन में सेना प्रमुख और अटॉर्नी जनरल की बर्खास्तगी ने भी ट्रंप की परेशानी में इजाफा किया है. रिपोर्ट के अनुसार, 5 हफ्तों तक लगातार हमलों के बावजूद ईरान की सैन्य क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एक अहम खुफिया रिपोर्ट ने अमेरिका और इजरायल के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईरान की करीब आधी मिसाइल लॉन्चिंग क्षमता और हजारों ड्रोन अब भी सक्रिय हैं। युएस इंटेलिजेंस ने दावा किया है कि ईरान ने अपने आधे मिसाइल लॉन्चर और ड्रोन बरकरार रखे हैं, जिससे होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग को खतरा है. सूत्रों के अनुसार, यह खुफिया आकलन ईरान की आक्रामक क्षमता को लेकर गंभीर चेतावनी देता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं में कोई कमी नहीं आई है, और यह युद्ध की स्थिति में इससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है और समुद्री व्यापार प्रभावित होने का खतरा है. टाइम्स मैगजीन के नए कवर में ट्रंप को ईरान युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता तलाशते दिखाया गया. इस कवर ने राजनीतिक विश्लेषकों के बीच बहस बढ़ा दी है कि ट्रंप प्रशासन ईरान संघर्ष को हल करने में कितनी गंभीरता दिखा रहा है.

छत्तीसगढ़ के 4 आईपीएस विशेष ट्रेनिंग के लिए जाएंगे हैदराबाद

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने 4 जिलों में प्रभारी एसपी की नियुक्ति की है। इन जिलों के एसपी के इंडक्शन ट्रेनिंग पर जाने के कारण यह व्यवस्था की गई है। प्रभारी एसपी की नियुक्ति का आदेश पुलिस मुख्यालय से जारी किया गया है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ कैडर के 4 आईपीएस अधिकारी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, पंकज चंद्रा, वेदव्रत सिरमौर और विजय पांडेय को इंडक्शन ट्रेनिंग के लिए चुना गया है। आपीएस श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा रायपुर ग्रामीण में, विजय पांडेय जांजगीर-चांपा, पंकज चंद्रा कोंडागांव, वेदव्रत सिरमौर गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक हैं। यह उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी में आयोजित किया जाएगा। ट्रेनिंग का शेड्यूल 6 अप्रैल से शुरू होकर 15 मई तक चलेगा।रायपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी मनीषा ठाकुर रावटे को सौंपी गई है। जांजगीर-चांपा का प्रभार विमल कुमार बैस को दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में रद्द 14 ट्रेनों को किया गया बहाल

रायपुर(विश्व परिवार)। अकलतरा में चौथी लाइन निर्माण के कारण प्रभावित ट्रेनों का परिचालन बहाल किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में अकलतरा स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी के लिए चल रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पहले निरस्त किए गए 14 ट्रेनों को फिर से बहाल किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इनका परिचालन चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा।

इससे रायपुर, गेवरारोड, बिलासपुर और रायगढ़, झारसुगुड़ा और गोंदिया के यात्रियों को राहत मिलेगी। इससे पहले नागपुर मंडल से होकर गुजरने वाली चार एक्सप्रेस ट्रेनों को भी दोबारा शुरू किया गया था। गोंदिया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3, लाइन नंबर 5 पर वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसे बैलस्टेड ट्रैक में बदलने के कार्य के कारण इन गाड़ियों को अस्थायी रूप से रद्द किया गया था।

पाकिस्तानी मूल के युवक का मर्डर, 5 लोग गिरफ्तर

रायपुर(विश्व परिवार)। रायपुर में बॉयफ्रेंड ने उसकी प्रेमिका को परेशान करने वाले युवक को मारकर जिंदा जमीन में दफ्ना दिया। लकड़ी से हमला करने पर युवक बेहोश हो गया था। आरोपी उसी हालत में युवक को माना से अभनपुर ऑटो में लेकर गए, जहां खदान में जमीन खोदकर दफ्ना दिया। घटना के 5 दिन बाद उसकी लाश मिली थी। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है। मृतक पाकिस्तानी मूल का था, उसे भारतीय नागरिकता नहीं मिली थी। रायपुर में रहकर वह ठेकेदारी कर रहा था। पीएम रिपोर्ट में मुंह और सांस नली में मिट्टी जाने से मौत की पुष्टि हुई है। मर्डर में गर्लफ्रेंड समेत 6 आरोपी शामिल है, पुलिस ने 5 को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक को अधमरी हालत में ऑटो से 40 किलोमीटर दूर लेकर गए थे। इस बीच 4 थानों से होकर गुजरे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। शदाणी दरबार का रहने वाला नितेश बत्रा (29) ठेकेदारी करता था। आरोपी श्याम सुंदर सोनी की माना में सब्जी दुकान है। श्याम का सावित्री साहू से अफेयर था। आरोप है कि नितेश सावित्री को परेशान करता था, उसे अक्सर फोन किया करता था।

जम्मू-कश्मीरः उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल एनकाउंटर पर दिए जांच के आदेश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के अरहामा इलाके में बुधवार की सुबह सेना ने एक ऑपरेशन चलाया. सेना का कहना था कि उन्हें खुफिया जानकारी मिली थी कि इस इलाके में एक लोकल आतंकी छुपा हुआ है. ऑपरेशन के बाद सेना ने ऐलान किया कि एक आतंकी मारा गया. लेकिन जैसे ही मरने वाले का नाम और पहचान सामने आया, मामले ने पूरे प्रदेश में सनसनी मचा दी. परिवार का कहना है कि एनकाउंटर में मारे गए राशिद गुल बेकसूर था. वहीं, सेना का कहना है कि वह आतंकी था. अब एलजी मनोज सिन्हा ने मामले में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं और सात दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने को कहा है. जम्मू-कश्मीर में इन दिनों गांदरबल में हुए एनकाउंटर का एक मामले विवादों में घिर गया है. पीड़ित परिवार का कहना है कि एनकाउंटर में मारे गए राशिद गुल बेकसूर था. वहीं, सेना का कहना है कि वह आतंकी था. प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पीडीपी चीफमहबूबा मुफ्ती ने इस एनकाउंटर यानि कि सेना के ऑपरेशन पर सवाल उठाए.

शानदार और राहत भरी खबरः दिल्ली मेट्रो की सेवाएं अब सुबह 3 बजे से ही शुरू होगी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर सफर करने वाले लाखों लोगों के लिए एक बेहद शानदार और राहत भरी खबर सामने आई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। अब दिल्ली मेट्रो की सेवाएं सुबह 3 बजे से ही शुरू कर दी जाएंगी। इस नए कदम से 5 अप्रेल के लिए उन लाखों यात्रियों को सीधा फायदा होगा, जिन्हें अपनी ड्यूटी, ट्रेन या फ्लाइट पकड़ने के लिए अलसुबह (तड़के) घर से निकलना पड़ता है। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'पीएनबी सोल्जराथॉन' मैराथन का आयोजन हो रहा है। डीएमआरसी ने यह फैसला केवल इस मैराथन में भाग लेने वाले धावकों को सुबह-सुबह स्टेडियम तक पहुँचने में मदद करने के लिए लिया है।

लंबे समय से यह मांग उठ रही थी कि मेट्रो की टाइमिंग को थोड़ा और जल्दी किया जाए। खासकर उन लोगों के लिए जो नाइट शिफ्ट में काम करते हैं या जिन्हें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और आईजीआई एयरपोर्ट जाना होता है। पहले सुबह 5:30 या 6 बजे तक मेट्रो के चलने का इंतजार करना पड़ता था। इस कारण लोगों को मजबूरी में महंगे कैब या ऑटो का सहारा लेना पड़ता था। अब सुबह 3 बजे से मेट्रो चलने से न सिर्फ लोगों के पैसे बचेंगे, बल्कि उनका सफर भी पहले से ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक होगा। सुरक्षा के लिहाज से भी मेट्रो प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। सुबह 3 बजे के समय स्टेशनों पर पर्याप्त रोशनी और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों की उचित तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। इससे किसी भी यात्री, विशेषकर महिलाओं को सफर के दौरान कोई डर नहीं रहेगा, या परेशानी नहीं होगी। मेट्रो प्रशासन का मानना है कि शुरुआती दौर में यात्रियों की संख्या के आधार पर ही ट्रेनों के फेरे तय किए जाएंगे।

ईरान ने मार गिराया अमेरिका का दूसरा एफ-35 विमान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को 'पत्थर युग' में भेजने की धमकी के बाद ईरान ने अपनी सैन्य आक्रामकता बढ़ा दी है। ईरान की 'रिवोल्यूशनरी गार्ड्स' ने कुवैत की एक बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाते हुए कई ड्रोन दागे। चश्मदीदों के अनुसार, धमाके इतने जोरदार थे कि रिफाइनरी के बड़े हिस्से में भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए स्थानीय दमकल टीमें संघर्ष कर रही हैं। ईरान का यह हमला सीधे तौर पर इजरायल के सहयोगियों और खाड़ी क्षेत्र में तेल की वैश्विक सप्लाई चेन को तोड़ने की कोशिश मानी जा रही है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद भी तैनात रहेंगी सीएपीएफकी 500 कंपनियांः चुनाव आयोग

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों ने इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच भारत निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्वक बंगाल चुनाव कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की है। चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में मतगणना पूरी होने के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 500 कंपनियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात रहेंगी।

चुनाव के बाद भी सीएपीएफ की कंपनियां बंगाल में तैनात रहेंगी। यह तैनाती ईसीआई के अगले आदेश तक जारी रहेगी। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड तथा त्रिपुरा के आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था। इसके तहत असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल तथा तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के अनुसार, किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य संस्था में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति, जिसे लोक सभा या राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव या किसी संसदीय/विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त है, उसे मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाएगा। ऐसे सवैतनिक अवकाश के कारण किसी भी कर्मचारी के वेतन में कटौती नहीं की जाएगी। कोई भी नियोक्ता जो इन प्रावधानों का उल्लंघन करता है, उसे जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। सभी दैनिक वेतन भोगी और आकस्मिक मजदूरों को भी मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश का अधिकार होगा।

सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी में उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के स्वर्ण जयंती महोत्सव में 3 दिवसीय भव्य आयोजन

मुनि श्री समत्व सागर जी एवं मुनि श्री शील सागर ने धर्म आयतनों की संरक्षण एवं समाज के बहुमुखी उत्थान के दिया प्रेरक मार्गदर्शन

देशभर से गणमान्य जनों की रही गरिमामयी उपस्थिति

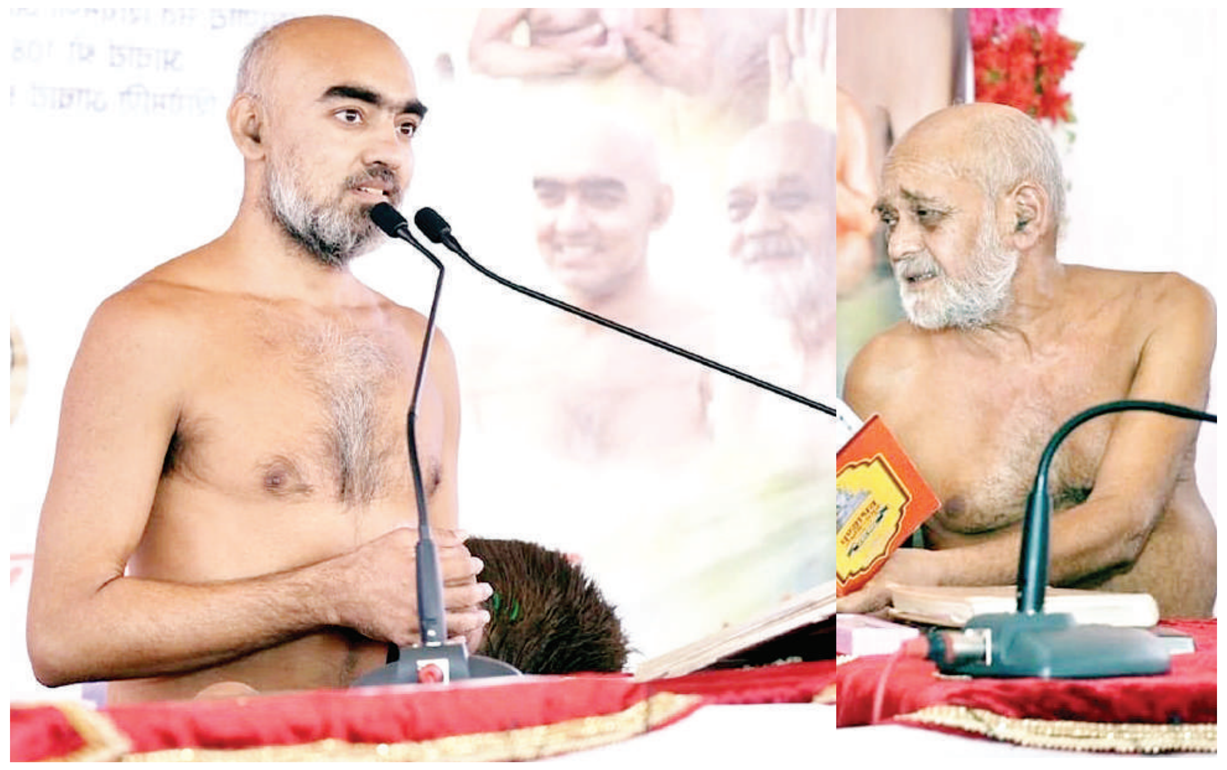

(प्रथम दिवस – 20 मार्च 2026)

उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के ऐतिहासिक स्वर्ण जयंती महोत्सव का शुभारम्भ 20 मार्च 2026 को अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सम्पूर्ण देश से ख्यातिप्राप्त गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों के नामों का उल्लेख संभव नहीं है, किन्तु उनकी सहभागिता ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया।

कार्यक्रम को परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 शील सागर जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ ।

ध्वजारोहण एवं उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री नीरज जैन (M.D., वर्धमान इंडस्ट्रीज, लोनी) एवं श्रीमती अल्पना जैन द्वारा

ध्वजारोहण के साथ किया गया।

मंडप उद्घाटन नीति आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना जैन (राज्य मंत्री) द्वारा संपन्न हुआ। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन न्यायमूर्ति श्री नरेंद्र कुमार जैन (पूर्व अध्यक्ष, NCMEI) एवं श्री अजय जैन (IRS), मुख्य आयुक्त, गुजरात द्वारा किया गया । विशिष्ट उपस्थिति इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी—अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन (एडवोकेट, अलीगढ़), कार्याध्यक्ष डॉ. राजमल जैन (ISRO, अहमदाबाद), महामंत्री श्री प्रवीण जैन (लोनी), उपाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक डॉ. राजीव जैन (आगरा), कोषाध्यक्ष श्री पवन जैन (अलीगढ़) उपस्थित रहे। साथ ही दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरि प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री कपिल मलैया, ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष श्री विनय मलैया, महामंत्री ट्रस्ट श्री सुनील घुवारा, मंत्री प्रबंध समिति श्री सनत कुटोरा, डॉ. डी.सी. जैन (दिल्ली) सहित देशभर से अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण एवं प्रस्तुति

स्वागत भाषण अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने तीर्थ क्षेत्र कमेटी की 50 वर्षों की गौरवगाथा को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। महामंत्री श्री प्रवीण जैन (लोनी) द्वारा संस्था की 50 वर्षीय प्रगति रिपोर्ट सचित्र रूप में प्रस्तुत की गई, जिसकी अत्यंत सराहना हुई।

प्रभावशाली मंच संचालन

प्रो. डॉ. राजीव जैन (आगरा) द्वारा अत्यंत प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित रूप से हिंदी एवं अंग्रेजी में किया गया,जिसकी उपस्थित जनसमूह एवं अतिथियों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई । मुनि श्री का परिचय एवं प्रवचन मंच से पूज्य मुनि श्री का प्रभावशाली परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि वे M.Tech गोल्ड मेडलिस्ट युवा संत हैं, जो Wonderful Jainism Channel के माध्यम से ज्ञानोपयोगी प्रवचनों द्वारा युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ने का अभिनव कार्य कर रहे हैं ।

अपने प्रवचन में मुनि श्री ने नई शिक्षा नीति में जैन दर्शन की सहभागिता, जनगणना में जैन समाज की वास्तविक संख्या सुनिश्चित करने, तथा युवाओं को तकनीकी माध्यमों से धर्म से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने हिंदी एवं अंग्रेजी में पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया एवं समिति के इस भव्य आयोजन की सराहना की।

मुख्य आकर्षण — द्रोणगिरि तीर्थ हेतु विशेष सेवा स्वर्ण जयंती महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहा— उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरि में तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु पर्वतीय क्षेत्र में आवागमन के लिए एक मारुति ईको वाहन भेंट किया गया।

इस वाहन की चाबी समिति अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन द्वारा द्रोणगिरि प्रबंध समिति अध्यक्ष श्री कपिल मलैया को सौंपी गई।

इसके अतिरिक्त—सभी क्षेत्रों के लिए ट्राई साइकिल प्रदान की गई, उसी क्रम में द्रोणगिरि में भी भेंट की गई पुजारियों के लिए धोती-दुपट्टा भी प्रदान किये, इस सेवा कार्य ने आयोजन को विशेष रूप से सार्थक एवं अनुकरणीय बना दिया ।

द्वितीय सत्र की प्रमुख झलकियाँ

द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि श्री प्रकाश मोदी (निदेशक, पारस चैनल), पैनल सलाहकार सदस्य अल्पसंख्यक आयोग, श्री प्रदीप जैन कार्याध्यक्ष (प्रधान संपादक, दैनिक विश्व परिवार) पूर्व सदस्य प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया एवं डॉ. डी.सी. जैन (दिल्ली) द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया ।

इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री के ग्रहस्थ जीवन के पिताश्री डॉ. अभय कुमार जैन का सम्मान किया गया, जिन्होंने अत्यंत मर्मस्पर्शी कविता एवं उद्बोधन प्रस्तुत किया । मुख्य अतिथि श्री प्रकाश मोदी ने आयोजन को अभूतपूर्व, सुव्यवस्थित एवं अत्यंत सारगर्भित बताते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की। सम्मान एवं सहयोग मंच से श्री धीरज जैन (उप महानिबंधक, गृह मंत्रालय, भारत सरकार),डॉ. नीरू जैन (जिला शिक्षा अधिकारी, धौलपुर), श्री आयुष जैन (SDM, बड़ामलहरा), श्री अगम जैन (IPS, SP छतरपुर), सुश्री विनिता जैन (उप कलेक्टर, निवाड़ी), तथा श्रीमती रश्मि जैन (धर्मपत्नी श्री शैलेन्द्र जैन अध्यक्ष,अलीगढ़) सहित सभी विशिष्ट अतिथियों का प्रतीक चिन्ह, रजत स्मृति चिह्न, पटका एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया ।

समारोह के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले प्रमुख जनों में श्री राजाराम जैन, श्री संदीप जैन (बड़ागांव), श्री अतिशय जैन मंत्री (झांसी), श्री संकल्प जैन 'लकी' (अलीगढ़), डॉ. श्रेयांश जैन ककरवाहा, श्री रविंद्र जैन (झांसी), डॉ. विकास जैन बानपुर, श्री वीरचंद नेकोरा, डॉ. संजीव जैन (देवबंद), श्री अशोक जैन क्रांतिकारी, श्री पवन घुवारा, श्री जिनेश कोटिया (दिल्ली), श्री प्रमोद जैन (गुरुग्राम), श्री राजीव जैन (CA, दिल्ली) आदि का विशेष योगदान रहा ।

आभार एवं समापन विचार

कार्यक्रम के अंत में श्री कपिल मलैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि— इस भव्य आयोजन में समिति अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन का जुनून, तीर्थ क्षेत्र के विकास के प्रति उनका समर्पण, बुंदेलखंड क्षेत्र से उनका गहरा जुड़ाव,

प्रत्येक माह अलीगढ़ से यहाँ आकर कार्यों की समीक्षा करना एवं प्रत्येक क्षेत्र की सूक्ष्म जानकारी रखना—उनके समर्पण की जीवंत मिसाल है । उन्होंने कहा कि ऐसे दूरदर्शी एवं समर्पित अध्यक्ष का मिलना समिति के लिए अत्यंत गौरव एवं सौभाग्य की बात है ।

अंत में सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा कहा कि आपने हमारे क्षेत्र का चयन कर हमें गौरवान्वित किया।

(द्वितीय दिवस – 21 मार्च 2026)

उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा आयोजित स्वर्ण जयंती महोत्सव का द्वितीय दिवस 21 मार्च 2026 को सिद्धक्षेत्र श्री द्रोणगिरि की पावन धरा पर अत्यंत गरिमामय, ज्ञानवर्धक एवं आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस दिन इतिहास, पुरातत्व एवं श्रमण संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चिंतन एवं मंथन किया गया।

प्रथम सत्र – चिंतन, मंथन एवं गौरवपूर्ण क्षण

प्रथम सत्र का विषय "इतिहास, पुरातत्व एवं श्रमण संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन" रखा गया ।

मुख्य अतिथि के रूप मेंश्री अमन जैन (Director, Ordnance Deptt., Defence Production, Ministry of Defence, भारत सरकार) उपस्थित रहे ।

विशिष्ट अतिथियों में—श्री अगम जैन (IPS, SP छतरपुर),श्री संदीप जैन (Joint Secretary, गृह मंत्रालय, भारत सरकार),श्री अनिल जैन (IPS), डॉ. मनीष विष्णोई (Asia Head, Golden Book of World Records), डॉ. अरविंद जैन (बर्मिंघम, यू.के.),श्री शरद जैन स्र्ष्ठ सांध्य लक्ष्मी दिल्ली, श्री अकलंक जैन (एडवोकेट, हाईकोर्ट) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रभावशाली मंच संचालन एवं गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. राजीव जैन (आगरा) द्वारा अत्यंत प्रभावशाली, सुसंगठित एवं द्विभाषीय शैली (हिंदी एवं अंग्रेजी) में किया गया, जिसकी उपस्थित जनसमूह एवं अतिथियों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी—अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन (एडवोकेट, अलीगढ़),कार्याध्यक्ष डॉ. राजमल जैन (ISRO, अहमदाबाद), महामंत्री श्री प्रवीण जैन (लोनी), उपाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक डॉ.राजीव जैन (आगरा), कोषाध्यक्ष श्री पवन जैन (अलीगढ़) उपस्थित रहे। साथ ही दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरि प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री कपिल मलैया, ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष श्री विनय मलैया, महामंत्री ट्रस्ट श्री सुनील घुवारा, मंत्री प्रबंध समिति श्री सनत कुटोरा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मंगल विधि एवं शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज एवम मुनि श्री 108 शील सागर जी महाराज के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट के साथ हुआ ।

इसके पश्चात चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को औपचारिक रूप प्रदान किया गया। मुख्य संयोजक द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई एवं अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन द्वारा स्वागत भाषण दिया गया ।

मुख्य व्याख्यान एवं ऐतिहासिक उपलब्धि मुख्य वक्ता डॉ. राजमल जैन (वैज्ञानिक, ISRO) ने "श्रमण संस्कृति की प्राचीनता" विषय पर अत्यंत प्रभावशाली एवं शोधपूर्ण पावर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर डॉ. मनीष विष्णोई द्वारा मंच से घोषणा की गई कि डॉ. राजमल जैन की पुस्तक को Golden Book of World

Records में स्थान प्राप्त हुआ है । उन्हें प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिस पर सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा।

इसके साथ ही उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन ने उन्हें "विज्ञान शिरोमणि" की उपाधि से विभूषित करते हुए मोमेंटो, सम्मान पत्र एवं चांदी की शील्ड प्रदान की ।

पूज्य मुनि श्री का प्रेरणादायी प्रवचन पूज्य मुनि श्री ने अपने मंगलमय प्रवचन में श्रमण संस्कृति की महान परंपरा को उजागर करते हुए कहा कि— "संस्कारों से युक्त जीवन ही सच्चा उत्थान करता है, और धर्म से जुड़ा युवा ही समाज का उज्ज्वल भविष्य होता है।"

उन्होंने डॉ. राजमल जैन के शोध कार्यों की सराहना करते हुए समिति द्वारा किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को अत्यंत सराहनीय बताया। साथ ही युवाओं से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक के साथ-साथ अपनी जड़ों और संस्कृति से भी जुड़े रहें।

पाद प्रक्षालन एवं सम्मान

पूज्य मुनि श्री का पाद प्रक्षालन वर्धमान ग्रुप के स्र्ष्ठ श्री प्रमोद जैन (दिल्ली) एवं महावीर ग्रुप के MD श्री प्रमोद कुमार जैन (दिल्ली) द्वारा किया गया ।

इस अवसर पर अनेक गणमान्यजनों द्वारा सम्मान प्रदान किया गया, जिनमें— श्री अमित जैन, श्री नृपेन्द्र जैन, श्री संजीव जैन (एडवोकेट), श्री पवन घुवारा, श्री मुकेश जैन, श्री संकल्प जैन 'लकी', पं. वर्धमान जैन, डॉ. सुशील जैन, श्री अतिशय जैन,

पं. सुरेन्द्र कुमार जैन, श्री अजीत बंसल, श्रीमती स्तुति जैन, नूतन जैन, शिल्पी जैन, डॉ. मीना जैन, श्रीमती रत्नमाला जैन, श्रीमती तूलिका जैन, श्रीमती साधना जैन, श्रीमती उषा जैन लोनी, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती समता जैन बड़ागांव, श्रीमती सुरभि जैन देवबन्द, श्रीमती सुचिता जैन अलीगढ,श्री जिनेश जैन, श्री जिनेन्द्र जैन आदि प्रमुख रहे ।

द्वितीय सत्र – गोष्ठी एवं विमर्श

द्वितीय सत्र में "तीर्थ क्षेत्र, पुरातत्व एवं जैन धरोहर" विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई ।

मंच पर उपस्थित गणमान्यजन सुश्री विनिता जैन (उप कलेक्टर, निवाड़ी),श्री अगम जैन (IPS, SP छतरपुर),श्री अमन जैन (रक्षा मंत्रालय),श्री अकलंक जैन (एडवोकेट, इलाहाबाद हाईकोर्ट), श्री जिनेन्द्र जैन (आबकारी अधिकारी),श्री जिनेन्द्र जैन (रेलवे, दिल्ली),श्री आयुष जैन (SDM), श्रीमती रश्मि जैन, डॉ. नीरू जैन, श्रीमती रेखा जैन उपस्थित रहीं । मुख्य वक्ता श्री अखिल बंसल ने विषय पर अपने विचार रखे।

अन्य वक्ताओं में—डॉ. राजीव प्रचंडिया, डॉ. सुशील जैन, पं. सुरेन्द्र जैन, श्री अशोक जैन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए । सम्मान, पुस्तक विमोचन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुत इस सत्र में श्री नवीन जैन (CA), श्री रूपल जैन, श्री पारस जैन (CA), श्री राजीव जैन (CA, दिल्ली) का सम्मान किया गया ।

मंच से श्री अशोक जैन (लखनऊ) की लगभग 10 पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिनमें "जितना समझा उतना जाना" विशेष रूप से चर्चित रही ।

उन्हें जीवन शिल्प संस्कार शाला, आहारजी द्वारा घनश्यामदास कोटिया स्मृति पुरस्कार एवं 11,000 की राशि प्रदान की गई ।

इसी क्रम में संस्कार शाला के बच्चों द्वारा णमोकार मंत्र एवं "मेरी भावना" की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई ।

सभी बच्चों को अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन द्वारा उपहार प्रदान किए गए तथा प्रधानाचार्य श्री आशीष साहू एवं शिक्षिका सुश्री साक्षी जैन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया ।

द्वितीय दिवस का प्रत्येक क्षण ज्ञान, साधना, संस्कृति एवं सेवा के समन्वय का जीवंत उदाहरण रहा, जिसने स्वर्ण जयंती महोत्सव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया ।

(तृतीय दिवस – 22 मार्च 2026 7 समापन समारोह)

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 शील सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा आयोजित स्वर्ण जयंती महोत्सव का तृतीय एवं अंतिम दिवस 22 मार्च 2026 को सिद्धक्षेत्र श्री द्रोणगिरि की पावन धरा पर अत्यंत भव्य, प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक रूप में सम्पन्न हुआ ।

यह दिवस विशेष रूप से युवा जागरण, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को समर्पित रहा ।

मंगलाचरण एवं शुभारंभ

कार्यक्रम का मंगलाचरण पंडित जय निशांत जी (नवागढ़) द्वारा किया गया, तथा काव्यमय प्रस्तुति कुमारी अहिंसा जैन (सागर) द्वारा दी गई, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया ।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वाराभगवान के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री अभय गोहिल जी (भोपाल) एवं श्रीमती विजया गोहिल जी रहे। विशिष्ट अतिथियों में न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन (भोपाल),, श्री सुरेश जैन (IAS, भोपाल), श्री संजीव जैन (ADM, देवास), श्री आयुष जैन (SDM, बड़ामलहरा), श्री अमन जैन (रक्षा मंत्रालय), मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली के डॉ राजीव जैन सहित अन्य गणमान्यजनों ने पूज्य मुनि श्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर पुण्यार्जन किया।

कार्यक्रम का संचालन

प्रो. डॉ. राजीव जैन (आगरा) द्वारा अत्यंत प्रभावशाली, सुसंगठित एवं प्रेरणादायी शैली में किया गया । अपने संचालन के दौरान उन्होंने विशेष रूप से युवा समाज को धर्म, संस्कृति एवं तकनीक के माध्यम से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी—अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन (एडवोकेट, अलीगढ़), कार्याध्यक्ष डॉ. राजमल जैन (ISRO, अहमदाबाद), महामंत्री श्री प्रवीण जैन (लोनी), उपाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक डॉ. राजीव जैन (आगरा), कोषाध्यक्ष श्री पवन जैन (अलीगढ़) उपस्थित रहे । साथ ही दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरि प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री कपिल मलैया, ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष श्री विनय मलैया, महामंत्री ट्रस्ट श्री सुनील घुवारा,. मंत्री प्रबंध समिति श्री सनत कुटोरा जी, डॉ अभय जैन जी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही ।

स्वागत भाषण एवं विशेष घोषणा

अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि— स्वर्ण जयंती वर्ष में समिति द्वारा कुछ तीर्थ क्षेत्रों को "गोद लेने" का महत्वपूर्ण संकल्प लिया गया है, जिसकी विस्तृत जानकारी शीघ्र ही साझा की जाएगी।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे प्रत्येक माह बुंदेलखंड क्षेत्र का दौरा कर पूर्ण समर्पण भाव से तीर्थ सेवा में संलग्न रहते हैं, जो समिति के सेवा संकल्प को दर्शाता है ।

विशेष अतिथि उद्बोधन डॉ. अरविंद जैन (बर्मिंघम, यू.के.) ने जैन एकता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि— "लंदन में समस्त जैन समाज एकजुट होकर धार्मिक पर्व मनाता है, जो वैश्विक स्तर पर अनुकरणीय है।" समिति द्वारा उनका सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री अभय गोहिल जी ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे अत्यंत सफल एवं अनुकरणीय बताया।

न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन जी ने महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया ।

श्री सुरेश जैन (IAS) ने युवाओं को धर्म क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया । युवा सम्मेलन — यह सत्र विशेष रूप से युवा जागरण को समर्पित रहा ।मुख्य वक्ता श्री आयुष जैन (SDM) ने कहा— "शिक्षा और धर्म का संतुलन ही जीवन को दिशा देता है।" श्री अंकित सांधेलिया (अध्यक्ष, बुंदेलखंड युवा प्रकोष्ठ) ने युवाओं के प्रयासों पर प्रकाश डाला । श्री संजीव जैन (ADM) सहित अन्य वक्ताओं ने भी प्रेरणादायी विचार रखे ।

पूज्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा युवा यदि अपने जीवन में धर्म, संस्कार और संयम को स्थान दे, तो वह न केवल स्वयं का उत्थान करता है, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा प्रदान करता है ।

उन्होंने आगे कहा कि— "आधुनिक युग में तकनीक के साथ धर्म का समन्वय आवश्यक है, जिससे नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रह सके।" उन्होंने समिति के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इस आयोजन को अत्यंत सफल, सुव्यवस्थित एवं समाजोपयोगी बताया ।

सम्मान एवं विशिष्ट सहयोगियों का अभिनंदन

कार्यक्रम में उपस्थित— श्री अमित जैन, श्री संकल्प जैन 'लकी' अलीगढ, श्री रविकांत जैन (IAS), श्री जिनेन्द्र जैन, श्री विकर्ष शास्त्री, डॉ. अभय जैन, श्री संदीप फौजदार, श्री अभिषेक जैन, श्री सुनील जैन, श्री प्रमोद

जैन एवं उनकी कार्यकारिणी उपस्थित रही। मंच से श्री अंकित सांधेलिया एवं श्री संदीप फौजदार का सम्मान किया गया। साथ ही श्री जयदीप जी दिल्ली (टेक्निकल एडवाइजर), श्री पवन घुवारा, श्री मनीष जैन (कैटरिंग), कुमारी अहिंसा जैन संगीतकार सागर, श्री सचिन परमार इवेंट मैनेजर भोपाल को स्मृति चिन्ह, चांदी प्रतीक एवं मोमेंटो भेंट किए गए।

विशेष सम्मान (समापन क्षण)

उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा किए गए इस सुव्यवस्थित एवं भव्य आयोजन से प्रभावित होकरद्रोणगिरि सिद्ध क्षेत्र प्रबंध समिति के—श्री कपिल मलैया (अध्यक्ष),श्री विनय मलैया (अध्यक्ष, ट्रस्ट), श्री सुनील घुवारा एवं श्री सनत कुटोरा मंत्री द्वय द्वारासमिति अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन,महामंत्री श्री प्रवीण जैन, कार्याध्यक्ष डॉ. राजमल जैन तथा उपाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक डॉ. राजीव जैन का प्रशस्ति पत्र, माल्यार्पण एवं हस्तनिर्मित घड़ी भेंट कर भव्य सम्मान किया गया ।आभार एवं समापन कार्यक्रम के अंत में महामंत्री श्री प्रवीण जैन (लोनी) द्वारा सभी अतिथियों, संतजनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया । उन्होंने विशेष रूप से द्रोणगिरि सिद्ध क्षेत्र समिति के सहयोग एवं सम्मान के लिए हार्दिक धन्यवाद प्रेषित किया। स्वर्ण जयंती महोत्सव का यह भव्य समापन आध्यात्म, संस्कृति, संगठन एवं सेवा का अद्वितीय उदाहरण बनकर सभी के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया।

द्वारा
प्रो. डॉ. राजीव जैन
उपाध्यक्ष / मुख्य संयोजक उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी

दैनिक विश्व परिवार झांसी द्वारा इस विशेष अवसर पर प्रकाशित एक संग्रहणीय विशेषांक का विमोचन किया गया

संपादकीय

डेमोग्रैफिक डिविडेंड गंवा देने का खतरा

जो देश अपनी युवा श्रमशक्ति का पूरा उपयोग नहीं कर पाते, उनके संबंध में आम समझ है कि वे धनी होने से पहले बूढ़ा हो जाते हैं। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर डेमोग्रैफिक डिविडेंड गंवा देने का खतरा मंडरा रहा है। युवा आबादी के संभावित लाभ को भारत गंवाने जा रहा है- यह निष्कर्ष है अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' रिपोर्ट का। इसके मुताबिक 2030 में युवा आबादी (15- 29 वर्ष) अपनी चरम संख्या पर पहुंच जाएगी। उसके बाद इसमें गिरावट आने लगेगी। फिलहाल 36.7 करोड़ युवा इस उम्र वर्ग में हैं, जो कुल कामकाजी उम्र की आबादी का एक तिहाई हिस्सा है। मगर उनमें से 26.3 करोड़ ना शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, ना रोजगार में हैं। अतः उनके श्रमशक्ति का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'आने वाले दशक में युवा पीढ़ी के लिए रोजगार सृजन की गति यह तय करेगी कि डेमोग्रैफिक डिविडेंड आर्थिक लाभ में तब्दील होता है या नहीं।' मगर रोजगार की सूरत यह है कि सिर्फ सात प्रतिशत पुरुष स्नातकों को डिग्री लेने के बाद पहले साल में नियमित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। ह्वाइट कॉलर जॉब्स की बात करें, तो यह संख्या महज 3.7 फीसदी है। तो रिपोर्ट में कहा गया है- 'ये संख्याएं चिंताजनक सूरत की झलक हैं। सुरक्षित ह्वाइट कॉलर जॉब ढूंढना अत्यधिक दुर्लभ घटना बनी हुई है।' वैसे चिंताजनक अनेक अन्य आंकड़े भी रिपोर्ट में हैं। उनमें एक बेरोजगार स्नातकों की विस्फोटक ढंग से बढ़ती गई संख्या है। 2004 में 30 लाख स्नातक बेरोजगार थे। यह संख्या 2011 में 40 लाख पहुंच गई। 2011-17 में इसमें बेहद तेज रफ्तार से बढ़ोतरी हुई। 2023 तक ये तदाद एक करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी थी। इन स्थितियों के साथ कोई देश आर्थिक महाशक्ति बनने की कैसी उम्मीद जोड़ सकता है? जो देश अपनी युवा श्रमशक्ति का पूरा उपयोग नहीं कर पाते, उनके संबंध में आम आर्थिक समझ है कि वे धनी होने से पहले बूढ़ा हो जाते हैं। विश्व बैंक की श्रेणी के मुताबिक भारत लगभग तीन हजार डॉलर सालाना प्रति व्यक्ति आय के साथ अभी भी निम्न- मध्यम आय वर्ग वाला देश है। यानी धनी होने के पहले उसे उच्च मध्य वर्ग की श्रेणी (4,500 से 14000 डॉलर) पार करनी है।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए

विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है।

आलेख

भाजपा को मिली बड़ी कामयाबी...

हरिशंकर व्यास

बिहार में नीतीश कुमार का शासन नरेंद्र मोदी के लिए दुखती रग की तरह था। आखिर नीतीश एनडीए के इकलौते नेता थे, जिन्होंने 2013 में मोदी को एनडीए की चुनाव समिति का प्रमुख और बाद में प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाए जाने का विरोध करते हुए एनडीए छोड़ा था। इसके बाद वे अकेले चुनाव लड़े और मोदी ने रामविलास पासवान और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी से तालमेल करके चुनाव लड़ा। उस चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। उसने अकेले 243 सीटें मिलीं और एनडीए ने 32 सीटें जीतीं। नीतीश कुमार की पार्टी दो सीटों पर सिमट गई। तो मोदी को लगा कि उन्होंने नीतीश को हैसियत दिखा दी। नीतीश को भी हकीकत का अहसास हुआ तो उन्होंने 2015 के विधानसभा चुनाव में अपने धुर विरोधी लालू प्रसाद और कांग्रेस से तालमेल कर लिया। नवंबर 2015 से पहले होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जुलाई के महीने में नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री बिहार के मुजफ्फरपुर में एक सभा करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने नीतीश कुमार के डीएनए पर सवाल उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीतीश के डीएनए में गड़बड़ी है। इसके चार महीने के बाद चुनाव में नीतीश और लालू की जोड़ी ने भाजपा और उसके सहयोगियों को बुरी तरह से हराया। मोदी प्रधानमंत्री थे और अमित शाह राष्ट्रीय अध्यक्ष और भाजपा गठबंधन को बिहार की 243 में से सिर्फ 59 सीटें मिलीं। इस हार ने मोदी और शाह को मजबूर किया कि वे नीतीश के साथ फिर से तालमेल करें। झक्ख मार कर उन्हें नीतीश को एनडीए में लाना पड़ा और मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। मोदी और शाह की नीतीश के प्रति कैसी कुंठा या खुन्नस थी यह 2020 के चुनाव में फिर दिखा। डीएनए पर सवाल उठाने के बाद वाले चुनाव में भाजपा ने नीतीश को निपटाने का पूरा प्लान बनाया और चिराग पासवान को गठबंधन से अलग चुनाव लड़वाया। चिराग को सारे संसाधन भाजपा ने दिए यहां तक कि ज्यादातर उम्मीदवार भी भाजपा ने ही दिए, जो बाद में फिर भाजपा में लौट आए। चिराग को चुनाव नहीं जीतना था, बल्कि नीतीश को हरवाना था। इसमें काफी हद तक कामयाबी मिली। लेकिन नतीजे भाजपा के मनमाफिक नहीं आए। नीतीश तो 43 ही सीट जीत पाए लेकिन दूसरे ओर राजद 75 सीट जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बन गई। महागठबंधन को 110 सीटें मिल गईं। सो, फिर मजबूरी हो गई कि नीतीश को सीएम बनाया जाए। हालांकि इसके बावजूद भाजपा को हैसियत दिखाने के लिए नीतीश एक बार फिर राजद के साथ जाकर सरकार बनाई। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को एकजुट किया और 'इंडिया' ब्लॉक का गठन भी कराया। फिर मजबूरी में भाजपा को नीतीश कुमार की वापसी करानी पड़ी और बराबर सीटें देकर समझौता करना पड़ा। भाजपा को नीतीश का शुक्रगुजार होना चाहिए था कि उनकी वजह से बिहार में एनडीए को लोकसभा में 30 सीटें मिलीं और विधानसभा में 202 सीटों का प्रचंड बहुमत मिला। लेकिन 2013 से ही नीतीश को खत्म करने की ग्रंथि पाले भाजपा नेताओं ने शुक्रगुजार होने की बजाय पहला मौका मिलते ही उनको निपटा दिया। इस बार विधानसभा चुनाव में नीतीश की पार्टी 85 सीटों पर जीती लेकिन विधानसभा का गणित ऐसा बन गया कि नीतीश के लिए दूसरे पाले में जाकर सरकार बनाना मुश्किल हो गया। दूसरे, भारत की राजनीति के सबसे अधिक कैलकुलेटिंग माइंड वाले नेता नीतीश कुमार की मानसिक अवस्था बिगड़ गई। वे भूलने की बीमारी से ग्रस्त हो गए। तभी भाजपा ने उन पर अंतिम वार किया और निपटा दिया। नीतीश को और उनकी राजनीति को समाप्त करने का प्रयास पिछले 13 साल से किया जा रहा था। कामयाबी तब मिली, जब उनकी मानसिक दशा बिगड़ी। भाजपा ने उनके लाचार होने का फायदा उठा कर बेहद अपमानजनक तरीके से उनको मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाने का बंदोबस्त किया और अपना मुख्यमंत्री बनाने की व्यवस्था की।

पता नहीं आत्मनिर्भर भारत कब बनेगा

अजीत द्विवेदी

दस साल हो गए, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सात फरवरी 2016 को ओडिशा के पारादीप में भारत की सबसे बड़ी पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन यानी आईओसी की एक रिफाइनरी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही थी। उन्होंने उस समय एक लक्ष्य भी तय किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2022 तक भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए विदेशी निर्भरता को 10 फीसदी तक कम करेगा। उस समय भारत 80 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता था। आज 10 साल बाद भारत का कच्चे तेल का आयात 85 फीसदी से ज्यादा हो गया है। यानी जहां दस फीसदी आयात कम होना था वहां पांच फीसदी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने आयात पर निर्भरता 10 फीसदी घटाने के लक्ष्य के साथ साथ यह भी कहा था कि ऊर्जा जरुरतों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने चार क्षेत्र बताए थे, जहां काम किया जाना था। इसमें इथेनॉल मिश्रण, इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने, नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ाना और तेल, गैस आदि की खोज को प्रोत्साहित करना शामिल था। सोचें, 10 साल पहले ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात प्रधानमंत्री के मुंह से सुनना कितना अच्छा लगा होगा! उसमें भी तात्कालिक लक्ष्य आयात में 10 फीसदी की कमी का रखा गया था। एक ब्लूप्रिंट भी पेश किया गया। लेकिन 10 साल के बाद देश कहां पहुंचा? आज स्थिति यह है कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर पहले से ज्यादा निर्भर हो गया है। ऐसा नहीं कि सिर्फ तेल के मामले में भारत की निर्भरता बढ़ी है। हकीकत यह है कि जिस नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर भारत को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने का संकल्प किया गया था उनके लिए भी भारत दूसरे देशों पर निर्भर है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देना है पर उसकी लिए बैटरी और दूसरी कई तकनीकी चीजें चीन से आएंगी। इसी तरह नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का मामला है तो उसके लिए भी सोलर प्लेट्स में लगने वाले कल पुर्जे और दूसरे उपकरण चीन से आएंगे। सोचें, हम तेल के साथ साथ वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के मामले में भी दूसरे देशों पर निर्भर हो गए हैं। ऐसा नहीं है कि 10 साल में इन क्षेत्रों में कोई काम नहीं हुआ। लेकिन थोड़े से काम होने से तो देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बन जाएगा? जब प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल आयात में 10 फीसदी की कमी की जाएगी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की ओर बढ़ा जाएगा तो निश्चित रूप से उनके दिमाग में कोई योजना होगी, लंबे समय की कोई प्लानिंग होगी! फिर किसने उनको उस योजना पर काम नहीं करने दिया? ऐसा तो नहीं हो सकता है कि आत्मनिर्भरता की योजना के नाम पर थोड़ा सा उत्पादन बढ़ाने की योजना हो? जब इतनी बड़ी घोषणा की जाती है तो उसे पूरा करने के लिए उतना ही बड़ा प्रयास करना होता है। उस प्रयास में स्पष्ट कमी दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि समय समय पर इस तरह की बातें करके प्रधानमंत्री ने लोगों को भरोसा तो दिया कि वे देश की समस्या को समझ रहे हैं और उसका समाधान करना चाहते हैं। लेकिन समाधान की दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। उन्होंने 2016 के बाद तेल आयात कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात अनेक बार कही। लेकिन सवाल है कि क्या वे देख नहीं रहे थे कि उनकी बातों या दावों में और देश की वास्तविकता में कितना अंतर है? आज जब संकट देश के सामने आया तो सबका ध्यान इस वास्तविकता की ओर गया है। ईरान में जंग शुरू हुए 12 दिन हुए हैं और भारत में हाहाकार मचा है। भारत सरकार को आवश्यक वस्तु अधिनियम यानी एस्मा लागू करना पड़ा है। हालांकि रसोई गैस का मामला कालाबाजारी का भी है। लेकिन यह भी सही है कि किल्लत बढ़ रही है क्योंकि भारत अपनी एलपीजी की जरुरतों का 80 फीसदी से ज्यादा खाड़ी के देशों से आयात करता है और उसके भंडारण की भी वैसी व्यवस्था देश में नहीं है, जैसी कच्चे तेल के लिए है। इसलिए संकट तो है। तभी देश भर में होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं और सरकार को प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति के नियम बनाने पड़े हैं। सरकार ने घरेलू आवंटन को सौ फीसदी रखने को कहा है लेकिन उद्योगों और व्यावसायिक संस्थाओं के आवंटन में 20 से 30 फीसदी की कटौती हुई है। एलपीजी के अलावा तेल का संकट भी है तभी विमानन कंपनियों ने किराया बढ़ाना शुरू कर दिया है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति कम होने से उर्वरक से लेकर प्लास्टिक उद्योग तक करीब 75 उद्योग हैं, जहां असर हुआ है। उर्वरक के उत्पादन पर असर होगा तो अंततः उससे खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होगी। ऊर्जा के क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ़ने की घोषणा के 10 साल हुए हैं तो 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के भी छह साल होने जा रहे हैं। कोरोना महामारी के बीच 12 मई 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अभियान की शुरुआत की थी। सरकार की ओर से 20 लाख करोड़ रुपए के एक राहत पैकेज की घोषणा भी हुई थी। हालांकि वह पूरी तरह से क्रेडिट गारंटी की योजना थी। किसी को मदद के तौर पर इसमें से एक रुपया नहीं मिला, बल्कि सबको कर्ज देने की व्यवस्था की गई थी। लेकिन वह अलग कहानी है।'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत तय किया गया कि भारत में बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा, युवा शक्ति का अधिकतम इस्तेमाल होगा, देश की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ेगा, तकनीक के क्षेत्र में देश को बेहतर बनाया जाएगा और मांग को पूरा करना की आत्मनिर्भर व्यवस्था बनेगी।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती। मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है। अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ

ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं। कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है। केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

प्रतापपुर के ग्रामों में जिला पंचायत सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

जनकल्याणकारी योजनाओं के वस्तुस्थिति का लिया जायजा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा विगत दिवस जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

मदन नगर में तालाब निर्माण का अवलोकन- निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम ग्राम पंचायत मदन नगर पहुँचकर जिला पंचायत सीईओ ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्माणाधीन अटल/लालासाय तालाब कार्य का स्थलीय अवलोकन किया और कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया।

जगन्नाथपुर में पीएम आवास की समीक्षा- सीईओ श्री विजेन्द्र पाटले ने ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में कोवलेश्वर, राजमाडी, रंजीता एवं सुरंती के प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण भी किया । श्री पाटले ने निर्माण कार्य की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कनकनगर में डीएवी स्कूल एवं पंचायत भवन का निरीक्षण- इसके उपरांत ग्राम पंचायत कनकनगर पहुँचकर जिला पंचायत सीईओ ने डीएवी स्कूल एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला पंचायत सीईओ द्वारा विकास कार्यो के भौतिक निरीक्षण व धरातल पर शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जायजा लिया गया ताकि बेहतर तरीके से शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा सके।

इस संपूर्ण निरीक्षण में अपर कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र शर्मा, डीएमसी मनोज साहू, एसडीएम प्रतापपुर श्रीमती ललिता भगत, तहसीलदार श्री सुरेश राय, जनपद पंचायत सीईओ श्री अनिल तिवारी, एसडीओ (आरईएस), सब इंजीनियर श्री बृजेश नरेश, मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी श्री निर्मल श्याम, पटवारी, पीएम आवास ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्री मनोहर पैकरा, मनरेगा टीए श्री संजय लाल, श्री कमलेश्वर राजवाड़े, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

घने जंगलों के बीच आमामोरा में लगा जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर, सभी 14 आवेदनों का त्वरित निराकरण

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले के विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित घने जंगलों और दुर्गम क्षेत्र में बसे ग्राम आमामोरा में वर्षों बाद जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शासकीय आदिवासी छात्रावास परिसर में आयोजित इस शिविर ने क्षेत्रीय ग्रामीणों में नई उम्मीद जगाई।

शिविर में कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से उनका लाभ उठाने की अपील की। शिविर स्थल पर विभागीय स्टॉल लगाए गए थे, वहीं स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की जांच कर उन्हें उपचार भी उपलब्ध कराया गया।

विधायक जनक ध्रुव ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि, प्रशासन और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से क्षेत्र का समग्र विकास किया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि आमामोरा और आसपास के गांवों के लोग अब तक अभाव में जीवन यापन कर रहे थे, लेकिन आने वाले समय में उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने सौर ऊर्जा की क्षमता बढ़ाने, खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति पर विशेष जोर दिया। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं को विकसित करने की बात कही।

जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि प्रशासन लगातार दूसरे दिन भी अति पिछड़े और संवेदनशील गांवों तक पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं को समझ रहा है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में कमार और भुंजिया जैसी अति पिछड़ी जनजातियां निवास करती हैं, जो लंबे समय से विकास से दूर थीं। अब इनके जीवन स्तर में सुधार के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

कलेक्टर बीएस उइके ने कहा कि नक्सल प्रभाव में कमी आने के बाद इस क्षेत्र में जिला स्तरीय शिविर आयोजित करना संभव हो पाया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जर्जर आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत, विद्युत क्षमता वृद्धि, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और राजस्व व कृषि संबंधी कार्यों के लिए नियमित अमले की तैनाती की जाएगी। साथ ही 40 लंबित वन अधिकार पट्टों को जल्द वितरित करने और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क एवं पेयजल व्यवस्था में तेजी लाने की बात कही।

पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसरों की ओर बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने पर्यटन आधारित रोजगार जैसे ट्रेकिंग, टेंट हाउस और मड हाउस विकसित करने पर जोर दिया, जिससे स्थानीय लोगों की आय बढ़ सके। उन्होंने नशे से दूर रहने की अपील करते हुए आमामोरा में पुलिस केंद्र खोलने की घोषणा भी की।

शिविर के दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को छड़ी वितरित की गई, जबकि महिला एवं बाल विकास विभाग ने दो महिलाओं की गोदभराई और दो बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

12.50 लाख के गांजे के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में अवैध नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। ऑपरेशन निश्चय के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 25 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कुल कीमत लगभग 12 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, 2 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम स्थ्क्क चेकिंग के लिए खुटगांव चेकपोस्ट पर तैनात थी। इस दौरान आने-जाने वाले वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की जा रही थी। तभी उड़ीसा के धरमगढ़ की ओर से देवभोग की दिशा में पैदल आ रहे एक युवक पर पुलिस की नजर पड़ी। युवक के पास एक सफेद प्लास्टिक थैला और काले रंग का पिट्ठू बैग था।

संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। युवक ने अपना नाम काला कान्हू उर्फ कान्हा टांडी (24 वर्ष), निवासी साल्हेकेला वार्ड नंबर 2, थाना बोडेन, जिला नुवापाड़ा (उड़ीसा) बताया। जब उससे बैग और थैले के बारे में पूछताछ की गई तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में पुलिस ने उसके सामान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान सफेद थैले से 15 किलोग्राम गांजा (कीमत 7.50 लाख रुपये) और नीले प्लास्टिक बैग से 10 किलोग्राम गांजा (कीमत 5 लाख रुपये) बरामद किया गया। इस तरह कुल 25 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया जिसकी कुल कीमत 12.50 लाख रुपये है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत जिले में अवैध शराब और गांजा के खिलाफलगातार अभियान जारी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और किसी भी प्रकार की संलिप्तता पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स, कमिश्नर सहित आईजी, कलेक्टर और एसपी ने बस्तर के खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

जगदलपुर/विश्व परिवार। जगदलपुर के धरमपुरा स्थित क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का समापन अत्यंत उत्साहजनक रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के उच्चाधिकारियों ने बस्तर अंचल के खिलाड़ियों के बीच पहुँचकर न केवल उनका मनोबल बढ़ाया, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए सफलता के मंत्र भी साझा किए।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ?समापन के पश्चात खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने कहा कि बस्तर के जनजातीय क्षेत्रों में नैसर्गिक प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य आपकी क्षमता को तराशना है। यहाँ से प्राप्त अनुभव आपकी नींव को मजबूत करेगा, जिससे आप आगामी बड़ी प्रतियोगिताओं में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतर सकेंगे। ?वहीं पुलिस महानिरीक्षक श्री सुन्दरराज पी ने खिलाड़ियों के अनुशासन और जज्बे की सराहना की। उन्होंने अपने उद्बोधन में इस बात पर जोर दिया कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि इस आयोजन से जो अनुभव का लाभ आपको मिला है, उसे अपनी शक्ति बनाएं और निरंतर अभ्यास के माध्यम से बस्तर की एक सकारात्मक पहचान पूरे देश में स्थापित करें।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने युवा एथलीटों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन खिलाड़ियों को हर आवश्यक सुविधा और मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलो इंडिया जैसे मंच का लाभ उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि बस्तर का नाम खेल जगत के मानचित्र पर स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाए। उन्होंने खिलाड़ियों को लक्ष्य पर केंद्रित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्र स्तरीय आयोजन के माध्यम से जो तकनीकी ज्ञान प्राप्त हुआ है, उसका लाभ उठाएं। पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने खिलाड़ियों के बीच ऊर्जा का संचार करते हुए कहा कि खेल के मैदान पर दिखाया गया पराक्रम ही आपको सफलता के शिखर तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी में देश का नाम रोशन करने की क्षमता है; बस इस अनुभव को अपनी सीख बनाकर मैदान में डटे रहें। अधिकारियों के इस आत्मीय मार्गदर्शन और शुभकामनाओं से उत्साहित होकर खिलाड़ियों ने भी आने वाले समय में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संकल्प दोहराया। वहीं खेल अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने भी खिलाड़ियों को दक्ष बनाने के लिए समर्पण के साथ दायित्व निभाने की बात कही।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने छात्रावासों में चलाया कानूनी जागरूकता अभियान — पॉक्सो, साइबर अपराध एवं यातायात नियमों की दी जानकारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर की अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में आज पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास एवं प्री मैट्रिक बालक छात्रावास, सूरजपुर में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती अंजलि पाण्डेय ने की। उन्होंने छात्रों को अत्यंत सरल एवं बोधगम्य भाषा में विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

पॉक्सो एक्ट — गुड टच-बैड टच की दी समझ- न्यायाधीश महोदया ने पॉक्सो एक्ट 2012 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए अपराध की गंभीरता एवं न्यायालयीन प्रक्रिया समझाई। उन्होंने दो छोटे बच्चों को पास बुलाकर गुड टच-बैड टच की अवधारणा को व्यावहारिक उदाहरणों से सरलता से समझाया।

साइबर ठगी से बचने की दी सीख- आईटी एक्ट के प्रावधानों की जानकारी देते हुए न्यायाधीश महोदया ने डिजिटल अरेस्ट, फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर ठगी, बैंक केवाईसी के नाम पर धोखाधड़ी, परिजनों की दुर्घटना का भय दिखाकर ठगी तथा अनजान महिलाओं से वीडियो कॉल पर बात कर ब्लैकमेल जैसे साइबर अपराधों के उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर ठग डर और लालच के आधार पर ही ठगी करते हैं, इसलिए घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसी कोई घटना होने पर तत्काल माता-पिता, शिक्षक या पुलिस थाने को सूचित करने की सलाह दी गई।

मोटर व्हीकल एक्ट एवं यातायात नियमों पर किया जागरूक - न्यायाधीश महोदया ने मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत वाहन पंजीयन, बीमा एवं ड्राइविंग लाइसेंस जैसे आवश्यक दस्तावेजों के महत्व पर प्रकाश डाला। नाबालिग द्वारा वाहन चलाने तथा आवश्यक कागजात के अभाव में दुर्घटना की स्थिति में होने वाले कानूनी परिणामों की भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त चोरी के वाहन खरीदने-बेचने पर लागू दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी देते हुए यातायात नियमों के **पालन पर विशेष जोर दिया।**

नि:शुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी - कार्यक्रम के अंत में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के अंतर्गत आम नागरिकों को उपलब्ध नि:शुल्क विधिक सलाह एवं सहायता की जानकारी देते हुए नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 की सेवाओं से छात्रों को अवगत कराया गया।

इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक श्री रामज्ञान सिंह, श्री भुवनेश्वर सिंह तथा पैरालीगल वॉलंटियर्स सत्य नारायण, उमेश कुमार रजवाड़े, चिरंजीव लाल रजवाड़े एवं सद्दाम हुसैन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सील के बाद भी चालू! बेलगांव में अवैध रेत उत्खनन पर बड़ा सवाल

जगदलपुर/विश्व परिवार। रेत माफियाओं पर सख्ती के सरकारी दावों के बीच बस्तर के बेलगांव ग्राम पंचायत से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां माइनिंग विभाग द्वारा सील की गई पोकलेन मशीन के दोबारा उपयोग में आने की खबर ने पूरी कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, क्षेत्र में लंबे समय से कथित रूप से अवैध रेत उत्खनन जारी है। पूर्व में विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर एक पोकलेन मशीन को सील किया था, लेकिन इसके बावजूद उसी मशीन के फिर से चालू होने की चर्चा अब प्रशासनिक तंत्र पर सवालिया निशान लगा रही है।

कार्रवाई पर उठे सवाल- यदि सील की गई मशीन दोबारा उपयोग में लाई जा रही है, तो यह न केवल नियमों की खुली अवहेलना है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कहीं न कहीं निगरानी व्यवस्था में बड़ी चूक हो रही है या फिर किसी स्तर पर मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

मामले की जानकारी मिलने के बाद जब माइनिंग विभाग की टीम पुन: मौके पर पहुंची और मशीन को जब्त करने का प्रयास किया गया, तब ग्रामीणों द्वारा विरोध किए जाने की सूचना है।

रियलमी 16 5जी भारत में हुआ लॉन्च

रायपुर । भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन, रियलमी ने आज रियलमी 16 5जी पेश किया। यह नई जनरेशन के युवा यूज़र्स के लिए बनाया गया है, जो अपनी क्रिएटिविटी, पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ रोजमर्रा की विज़्युअल स्टोरीटैलिंग प्रदर्शित करना चाहते हैं। इसमें ए.आई आधारित ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा और जबरदस्त सेल्फी इनोवेशन दिए गए हैं। साथ ही 7,000 एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के बावजूद अल्ट्रा-लाईट रियलमी 16 5जी मिड-रेंज का सबसे बेहतर स्मार्टफोन है। ए.आई पोर्ट्रेट मास्टर: सेगमेंट का सबसे बेहतर ड्युअल 50 मेगापिक्सल कैमरा, जो देता है बिल्कुल जीवंत पोर्ट्रेट

रियलमी 16 5जी में 50 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरा और सोनी आईएमएक्स852 50 मेगापिक्सल रियर कैमरा के साथ एडवांस्ड ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा सिस्टम दिया गया है, जो नई जनरेशन के युवा यूज़र्स को ए.आई पोर्ट्रेट फोटोग्राफी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इसके रियर कैमरा में 1/2.83 इंच का विशाल सेंसर, एफ1.8 एपर्चर और ऑटोफोकस क्षमता है, जिसकी मदद से रोशनी की मुश्किल परिस्थितियों में भी शार्प डिटेल और भरोसेमंद इमेज परफॉर्मेंस मिलती है। 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा इमेज को और अधिक बेहतर बनाकर नैचुरल स्किन टोन और खूबसूरती से तराशे हुए फेशियल फीचर्स प्रदान करता है। इसलिए यह व्यक्तिगत सेल्फी और ग्रुप पोर्ट्रेट के लिए शानदार है और 30,000 रुपये से कम मूल्य का सबसे अच्छा स्मार्टफोन है।

रियलमी 16 5जी में एक और खूबी है। इसमें उद्योग का पहला रियर सेल्फी मिरर दिया गया है, जिसकी मदद से यूज़र्स मेन कैमरा द्वारा रियल टाईम में शॉट ले सकते हैं। ऑरा रिंग फ्लैश एक समान रोशनी के साथ शॉट्स को और अधिक सुंदर बना देता है। ''से हाय'' जैस्चर रिकग्निशन और वॉयस काउंटडाउन रियर-कैमरा सेल्फी और अधिक इन्ट्यूटिव, इंटरैक्टिव और सोशल बना देते हैं।

रियलमी 16 5जी में उसी ल्युमाकलर इमेज इंजन का उपयोग किया गया है, जो रियलमी 16 प्रो में है। इसलिए यह स्मार्टफोन नैचुरल स्किन टैक्सचर, एक्युरेट टोन, संतुलित हाईलाईट और बिल्कुल जीवंत कलर पेश करता है। एक्सप्रेसिव फोटोग्राफी के लिए इसमें वाईब मास्टर मोड है, जो कस्टमाईज़ेबल पैरामीटर्स के साथ कई वातावरण के टोन प्रिसेट पेश करता है, ताकि यूज़र्स अलग-अलग मूड्स और विज़्युअल स्टाईल के पोर्ट्रेट बना सकें। इसमें ए.आई ज़ेनी मोड है, जो पोर्ट्रेट को कैप्चर करने के बाद ए.आई इंस्पिरेशन, ए.आई स्टाईलमी और ए.आई लाईटमी जैसे फीचर्स द्वारा वन-टैप ए.आई एडिटिंग संभव बनाता है, ताकि प्रोफेशनल लेवल के फोटो आसानी से बन सकें। वीडियो क्रिएशन के लिए इसमें ए.आई इंस्टैंट क्लिप है, जो फोटो और वीडियो से मूमेंट्स को अपनेआप चुनकर स्टाईलाईज़्ड शॉर्ट क्लिप बना सकता है, जो सोशल शेयरिंग के लिए ऑप्टिमाईज़्ड होती हैं। रियलमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, फ्रैंसिस वोंग ने कहा, ''स्मार्टफोन उद्योग में मूल्य रीसेट हो रहे हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 04 अप्रैल 2026

पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी स्थित पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हडकंप मच गया। अज्ञात व्यक्ति द्वारा ईमेल के जरिए कार्यालय परिसर में 12 बम लगाए जाने की चेतावनी दी गई है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। धमकी भरा मेल प्राप्त होते ही पुलिस हरकत में आ गई। कार्यालय परिसर में सुरक्षा बढ़ाते हुए सघन जांच अभियान शुरू किया गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीम ने मौके पर पहुंचकर परिसर की तलाशी ली।

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों पर की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 03 अप्रैल,2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने रायपुर रेल मंडल में वित्तीय वर्ष 2025 -2026 की उपलब्धियों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में रायपुर के पत्रकारों से चर्चा की।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संपूर्ण भारतीय रेलवे के साथ ही साथ रायपुर मंडल में आधारभूत संरचना, माल लदान, यात्री परिवहन एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान नई लाइनों का निर्माण, चौथी लाइन कार्य में प्रगति, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में प्रगति। यात्री सुविधाओं के विकास का बेहतर क्रियान्वयन तथा प्रमुख स्टेशनों में नई-नई यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई। माल लदान के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए गए। इसी संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने मंडल सभाकक्ष में प्रेसवार्ता कर मीडिया के प्रतिनिधियों से परिचर्चा की। मंडल की प्रमुख महत्वपूर्ण

उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं एवं विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी साझा की इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी भी उपस्थित रहे।

वित्तीय वर्ष 2025- 26 में रायपुर मंडल ने राजस्व, संरक्षा, तकनीकी नवाचार एवं यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय रेल में एक आदर्श मंडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

वित्तीय वर्ष 2025 -26 में 03.87 प्रतिशत (लगभग 04 प्रतिशत) की वृद्धि हासिल की है और 46.44 मिलियन टन लदान कर 4983 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया हैं । वित्तीय वर्ष 2025-26 में रायपुर मंडल को 46.33 मिलियन टन लदान का लक्ष्य दिया गया था। रायपुर मंडल ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024 -25 में 44.73 मिलियन टन लदान कर 4818 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया था। इस उपलब्धि के पीछे आधुनिक लोडिंग अवसंरचना, ग्राहक-केंद्रित नीतियाँ, डिजिटल पहल तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

माल यातायात के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को सर्वोपरि रखा

वित्तीय वर्ष 2025 -26 अवधि के दौरान रायपुर मंडल ने माल यातायात के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को सर्वोपरि रखा है। त्योहारों, छुट्टियों एवं विशेष अवसरों पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को अधिकाधिक आरक्षित बर्थ एवं सीट उपलब्ध कराने हेतु 195 ट्रिप के लिए 19 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का सफलतापूर्वक परिचालन के साथ एवं 12 भारत गौरव ट्रेनों का भी परिचालन किया है। एवं विभिन्न श्रेणी के 60 अतिरिक्त कोच को ट्रेनों में जोड़ा गया है। यात्री यातायात, माल ढुलाई, विविध आय, गैर-किराया राजस्व, पार्किंग आय, खानपान से होने वाली आय सभी में बढोत्तरी हासिल की है। यात्री यातायात एवं राजस्व:- 26.6 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुचाया यात्री यातायात से 631.35करोड़ राजस्व प्राप्त किया।

समर कैंप 2026 : कला केंद्र में तीन चरणों में आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। यह कैंप जी.ई. रोड स्थित इंटरनेशनल स्विमिंग पूल के पीछे कला केंद्र परिसर में आयोजित होगा। यह कैंप जी.ई. रोड स्थित इंटरनेशनल स्विमिंग पूल के पीछे कला केंद्र परिसर में आयोजित होगा। रायपुर के संस्थान कला केंद्र में समर कैंप 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों की गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मक और उपयोगी बनाना है। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर आयोजित इस कैंप में संगीत, नृत्य, चित्रकला, योग, शतरंज और स्पोकन इंग्लिश जैसी गतिविधियों की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे बच्चों का आत्मविश्वास और स्किल डेवलप होगा। यह समर कैंप तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण 15 अप्रैल से 30 अप्रैल, दूसरा 1 मई से 15 मई और तीसरा 16 मई से 30 मई तक चलेगा। रोज सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक क्लासेस होंगी।

लोरिक चंदा लोकनाट्य महोत्सव आयोजन को लेकर संस्कृति मंत्री से की मुलाकात

आरंग (विश्व परिवार)। ऐतिहासिक गढ़ रीवा गांव में चंदैनी लोकनाट्य महोत्सव के आयोजन को लेकर शुक्रवार को ग्राम के 73 वर्षीय सरपंच घसियाराम साहू और पीपला फाउंडेशन के प्रतिनिधि महेन्द्र कुमार पटेल ने नवा रायपुर में संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल से सौजन्य भेंटकर चंदैनी लोकनाट्य महोत्सव आयोजन संबंधी बात रखा। जिसपर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विलुप्त हो रही लोरिक चंदा चंदैनी लोकनाट्य विधा को सहेजने महोत्सव आयोजन की पहल को सराहते हुए 73 वर्षीय सरपंच घंसियाराम साहू को गले लगा लिया। उन्होंने रीवा के सरपंच, ग्रामीण व सामाजिक संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन की पहल को मुक्त कंठ से सराहा और महोत्सव में पहुंचने का आश्वासन दिया। वही फाउंडेशन के प्रतिनिधि महेन्द्र कुमार पटेल ने संस्कृति मंत्री को छत्तीसगढ़ में विलुप्त हो रही लोरिक चंदा चंदैनी लोकनाट्य विधा से अवगत कराते हुए बताया कि अब छत्तीसगढ़ में गिने चुने टीम ही इस विधा को जीवित रखें है।

उत्कल गौरव मधुसूदन दास की पुण्यतिथि के अवसर पर आज पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर(विश्व परिवार)। उत्कल गौरव मधुसूदन दास की पुण्यतिथि दिनांक 4 अप्रैल 2026 शनिवार को प्रात: 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर रायपुर के महिला पुलिस थाना चौक के किनारे स्थित उत्कल गौरव मधुसूदन दास के मूर्ति स्थल के समक्ष उन्हें सादर ससम्मान नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। पुष्पांजलि कार्यक्रम में उत्कल गौरव मधुसूदन दास से सम्बंधित उनके मूर्ति स्थल में नियत दिवस को मूर्ति स्थल के प्रांगण का संधारण और मूर्ति स्थल प्रांगण सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, मूर्ति स्थल की पुष्पसज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 4 के सहयोग से की जायेगी।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों को मिली सफलता आरंग क्षेत्र को 8.57 करोड़ की दो बड़ी सड़क सौगातें

आरंग (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के निर्देशों के बाद आरंग विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति तेज हो गई है। कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप शासन ने क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए कुल ?857.40 लाख की प्रशासकीय और संशोधित स्वीकृति जारी कर दी है। इन परियोजनाओं से दर्जनों गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के अंतर्गत बनरसी से परसकोल मार्ग (लंबाई 3.40 कि.मी.) के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग (क्कङ्ख्ठ) ने ?583.76 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना में सड़क के साथ-

साथ आवश्यक पुल-पुलियों का निर्माण भी शामिल है। ?समय-सीमा और गुणवत्ता॰ शासन ने स्पष्ट किया है कि कार्य को निर्धारित समय में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करना अनिवार्य होगा। पारदर्शिता निविदा प्रक्रिया प्रमुख अभियंता कार्यालय के माध्यम से पूरी तरह पारदर्शी रखी जाएगी।

विधायक के हस्तक्षेप और तकनीकी सुधारों के बाद चकवे से परसदा मार्ग (लंबाई 2.00 कि.मी.) के लिए संशोधित प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। ?संशोधन का कारण॰ पूर्व में स्वीकृत ?217.53 लाख की राशि में लिपिकीय त्रुटि सुधार और वास्तविक लागत के आधार पर इसे बढ़ाकर अब ?273.64 लाख कर दिया गया है। ?उद्देश्य॰ इस राशि की वृद्धि से निर्माण कार्य में आ रही बाधाएं दूर होंगी और कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न होगा। क्षेत्र के आर्थिक विकास को मिलेगी गति. ?इन दोनों सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिलेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से स्थानीय किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुँचाने में आसानी होगी और विद्यार्थियों व मरीजों को समय पर शहर पहुँचने में मदद मिलेगी।

बिरगांव निगम वार्ड क्र. 2, 4 एवं 36 में सीसी रोड निर्माण कार्य की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। एमआईसी सदस्य इकराम अहमद ने बताया की आज नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 02, 04 एवं 36 में लगभग 25 लाख की के सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए महापौर नंदलाल देवांगन द्वारा विधिवत सुरुआत किया गया। इस अवसर पर सभापति कृपा राम निषाद ,पार्षद उबारनदास बंजारे , पुष्पा आशीष यादव ,केहरुराम साहू व स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहे। महापौर ने बताया कि इन वार्डों में सीसी रोड निर्माण से आम जनता को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर इन सड़कों को जनता को समर्पित किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। नगर निगम द्वारा चौमुखी विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए: विधायक पुरंदर मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा अमित जोगी को 27 दिन के अंदर सरेंडर किए जाने के आदेश के पश्चात सियासत तेज हुई है। भाजपा के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। उधर कांग्रेस के पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने कहा कि न्यायालय का फैसला सर्वोपरि है इसका हमें सम्मान करना चाहिए।

राजधानी में 2003 में हुए रामअवतार जग्गी हत्याकांड को लेकर उनके पुत्र सतीश जग्गी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। होईकोर्ट ने जोगी कांग्रेस के अमित जोगी को तीन हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का निर्देश दिया है। इसको लेकर अब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रिया आ रही है। स्व. रामअवतार जग्गी के पुत्र सतीश जग्गी ने कहा कि मुझे लंबी कानूनी लड़ाई के बाद न्याय मिला है। मुझे न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि भगवान के यहां देर है अंधेर नहीं। भाजपा के पुरंदर मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में हुई इस हत्याकांड में अमित जोगी को निर्दोष बरी कर दिया गया था। यदि उन्हें ऐसे लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है अथवा राजनीति हुई है तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में निगम 120 करोड़ पीछे, तारीख बढ़ने से 15 करोड़ का नुकसान

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में इस बार नगर निगम टारगेट से काफी पीछे रह गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तय 475 करोड़ रुपए के टारगेट के मुकाबले अब तक करीब 350 करोड़ रुपए ही वसूले जा सके हैं। इस तरह निगम करीब 120 करोड़ रुपए पीछे चल रहा है। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन वसूली को लेकर बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे। 31 मार्च को करीब 25 करोड़ रुपए की वसूली का अनुमान था, लेकिन वसूली महज 7 करोड़ रुपए के आसपास ही सिमट गई। इसकी बड़ी वजह संपत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि को 31 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल करना माना जा रहा है। तिथि बढने् के बाद बड़ी संख्या में करदाताओं ने भुगतान टाल दिया, जिससे निगम को एक ही दिन में लगभग 15 करोड़

रुपए का नुकसान हुआ। निगम की वसूली पर सबसे अधिक प्रभाव बड़े बकायादारों के कारण पड़ा है। जानकारी के अनुसार शहर में बड़े संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर करीब 150 करोड़ रुपए बकाया है। आरोप है कि इन पर अपेक्षित सख्ती नहीं बरती गई, जबकि छोटे करदाताओं से नियमित रूप से वसूली जारी रही।

शहादत से सेवा तक: एक वीर पत्नी की अडिग कहानी

दीपक की शहादत, प्रान्तिका का संकल्प

प्रान्तिका भारद्वाज
(शहीद की पत्नी, वर्दी में उनकी विरासत)

रायपुर (विश्व परिवार)। आज का दिन मेरे जीवन में एक गहरा भाव लेकर आता हैज्यह वह दिन है जब मैंने अपने जीवनसाथी, अपने दीपक को खोया नहीं, बल्कि उन्हें पूरे देश में अमर होते देखा। मेरे पति, सब इंस्पेक्टर शहीद दीपक भारद्वाज जी, जिन्होंने राष्ट्रसेवा और समाज की अस्मिता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए—वे केवल मेरे पति नहीं, बल्कि इस देश के गौरव थे।

जब भी उनकी याद आती है, आँखें नम हो जाती हैंज लेकिन उसी पल मेरा सिर गर्व से ऊँचा भी हो जाता है। क्योंकि हर किसी को यह सौभाग्य नहीं मिलता कि वह एक शहीद की पत्नी कहलाए। उन्होंने अपना आज, अपना कल, अपने सपने—सब कुछ माँ भारती के चरणों में अर्पित कर दिया। हमारा साथ भले ही समय में सीमित रहा, लेकिन उनकी यादें, उनके आदर्श और उनका साहस

मेरे जीवन की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने हमेशा कहा था— देश सबसे पहले है और उन्होंने अपने इस वाक्य को अपने बलिदान से साकार कर दिखाया। आज जब समाज उन्हें याद करता है, उनके बलिदान को नमन करता है, तो मुझे यह एहसास होता है कि मैं अकेली नहीं हूँपूरा देश मेरे साथ खड़ा है। यही एहसास मुझे आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

और आज जब मैं खुद उसी वर्दी को पहनकर बिलासपुर में सेवा दे रही हूँ, तो यह सिर्फ एक नौकरी नहीं हैज्यह मेरे पति के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प है। मुझे यह अवसर मिला—यह मेरे लिए सिर्फ सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। जब मैं वर्दी पहनती हूँ, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे दीपक मेरे साथ हैं।

उनकी हिम्मत, उनका जज़्बा और उनका कर्तव्यबोध मेरे भीतर जीवित है। कभी-कभी दिल बहुत भावुक हो जाता हैज उनकी कमी हर पल महसूस होती हैज्लेकिन जब मैं ड्यूटी पर खड़ी होती हूँ, तो एक आवाज़ भीतर से आती है— अब तुम्हें मजबूत बनना हैज क्योंकि तुम सिर्फ पत्नी नहीं, एक शहीद की विरासत हो आज लोग कहते हैं— जो वर्दी कभी दीपक जी पर चमकती थी, आज वही उनकी पत्नी के कंधों पर गर्व से सजी है।

महावीर जयंती की शुभकामनाएं पूरे भारत, पूरे विश्व के लोगों को

रायपुर (विश्व परिवार)। महावीर जन्मोत्सव की बधाई सिर्फ जैनियों को ही क्यों देना चाहिए।

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मोत्सव आज भव्य रुप मनाया जा रहा है। हम महसूस करे कि जैन धर्म सिर्फ खुद के लिए नहीं जीता है। उसके सिद्धांत पर यदि हम दृष्टि करे तो त्याग तपस्या दया करुणा श्रद्धा भगवान महावीर के वचनों कर्मों में थी । अहिंसा का मार्ग उन्होंने दिखाया । इन सबके कुछ गुण हम आत्मसात कर ले तो ये विश्व ही सुंदर हो जाता है। खानपान को देखे तो आज अधिकांश लोग कहते है जैनी भोजन करना है क्योंकि सादा भोजन (जिसमें लहसुन प्याज न हो) और स्वादिष्ट भी हो तो लोग नाम रखते है जैन भोजन करना है । आजकल तो विश्व में, भारत में अनेक स्थानों में जैन भोजन मिलता है ये तख्तियां आपको दिखाई देती है । बड़े बड़े होटलों में हवाई जहाज में भी जैन थाली भोजन उपलब्ध है। वास्तव में शरीर को भोजन में मसाले कितनी मात्रा में हो ये सब आजकल जैन समाज के साथ साथ अन्य समाज के लोग देख रहे है पालन कर रहे है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354